

सामूहिक दुष्कर्म मामले का तीसरा आरोपी फरार, राकेश पाल की तलाश में जुटी पुलिस



मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर विधानसभा को दी करोड़ों रुपये की सौगात



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश और देश विकास की नई गाथा लिख रहा है। सांवेर विधानसभा की चारों दिशाओं में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। सांवेर विधानसभा को आदर्श विधानसभा बनाया जायेगा। श्री सिलावट आज उकाच्या ग्राम पंचायत में एक करोड़ 60 लाख रुपये की लात से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के शुभारंभ अवसर पर

इंदौर में हॉटस्पॉट चेकिंग के दौरान अवैध पिस्टल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, वारदात से पहले पुलिस ने दबोचा



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध नियंत्रण के तहत चल रही सघन चेकिंग के दौरान भंवरकुआं थाना पुलिस ने बड़ी कारवाई करते हुए दो आरोपियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों को किसी वारदात को अंजाम देने से पहले ही दबोच लिया गया।

यह कारवाई संतोष कुमार सिंह के निर्देशों के तहत की गई। पुलिस उपायुक्त आनंद कलादगी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दीशेष अग्रवाल और सहायक पुलिस आयुक्त विजय चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भंवरकुआं द्वारा क्षेत्र में हॉटस्पॉट चेकिंग और पेट्रोलिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को दो संदिग्ध युवक

दिया गया। वहीं उसका साथी राकेश पाल, निवासी संकेक्षर सिटी, घटना के बाद से फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

जांच में सामने आया है कि आरोपी अर्पित ने एक युवती से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Instagram पर दोस्ती कर अपनी पहचान छिपाकर उससे शादी की। बाद में जब युवती को उसकी असली पहचान का पता चला तो उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर शादी करता था और बाद में देहेज के नाम पर लाखों रुपये

नेहरू स्टेडियम में शाखा संगम सम्पन्न, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने युवाओं को संगठन से जुड़ने का दिया संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल की उपस्थिति में इंदौर विभाग के महाविद्यालयीन विद्यार्थियों का शाखा संगम कार्यक्रम नेहरू स्टेडियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत कार्य विस्तार, संगठन को मजबूत करना और युवाओं को शाखा से जोड़ना रहा।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत का उद्भव अन्य देशों की तरह भाषा, नस्ल या संप्रदाय के आधार पर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक आधार पर हुआ है। भारत की पहचान अनेकता में एकता और समरसता में निहित है। उन्होंने कहा कि भारत की



समृद्ध संस्कृति और परंपराएं ही उसकी शक्ति हैं, जिनके आधार पर देश विश्वगुरु बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि हिंदू संस्कृति में सह-अस्तित्व



और संतोष का भाव है, जो वैश्विक अशांति को दूर करने का मार्ग दिखाता है। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शाखा के माध्यम से समाज को संगठित कर आत्मविश्वास को पुनर्स्थापित करना ही संघ का मूल कार्य है। कार्यक्रम में बताया गया कि पिछले महीनों में विभिन्न गतिविधियों जैसे विजयादशमी पथ संवलन, युवा संगम और युवा शिविरों के माध्यम से एक लाख से अधिक युवाओं तक पहुंच बनाई गई। इंदौर विभाग में सितंबर माह में 144 स्थानों पर शाखाएं लगाई गई थीं। शाखा संगम में इंदौर विभाग की 87 शाखाओं के कुल 753 स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिनकी आयु 18 से 25 वर्ष के बीच थी। इस दौरान इंदौर विभाग संचालक डॉ. मुकेश मोढ़ सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

नई गाइड लाइन के साथ इन क्षेत्रों को मिलेगी रजिस्ट्री की सौगात, घर का सपना होगा पूरा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई गाइड लाइन (2026-2027) लागू होने के साथ ही यह शहर की कई कॉलोनिनों के लिए खुशखबरी लेकर आया। नई गाइड लाइन के साथ ही यहां पर रजिस्ट्री की अनुमति भी मिल जाएगी। नई गाइड लाइन के पहले ही इंदौर की प्रॉपर्टी गाइड लाइन में 91 नई कॉलोनियां शामिल हो चुकी है। अब अप्रैल में 10 और नई कॉलोनिनों को गाइड लाइन में शामिल किया जाएगा और फिर यहां पर भी रजिस्ट्री शुरू हो जाएगी। इसके बाद इन कॉलोनिनों में प्लॉटधारक या प्रॉपर्टी लेने वाले रजिस्ट्री करवा सकेंगे। फरवरी में इंदौर पंजीयन विभाग ने 101 कॉलोनिनों का प्रस्ताव दिया था, लेकिन मुख्यालय से 10 कॉलोनिनों में अलग-अलग तरह की विस्पष्टि होने से उन्हें रोक दिया गया था। अब इन्हें अप्रैल से लागू होने वाली नई गाइड लाइन में जोड़ लिया जाएगा। जिन 10 कॉलोनिनों को छोड़ा है, उनमें लोकेशन की प्रस्तावित दरों में कुछ विस्पष्टियां थीं। इसलिए फिलहाल उन्हें छोड़ा गया है। मालूम हो, सितंबर में 101 कॉलोनिनों का प्रस्ताव दिया था, जिसमें से 91 को गाइड लाइन में शामिल कर लिया गया है और दस बची हुई हैं। इन्हें शामिल करने से आम लोगों को तो फायदा होगा ही, शासन को भी राजस्व मिलेगा। इन बची हुई कॉलोनिनों में अप्रैल में ही 100 से ज्यादा रजिस्ट्री होने के आसार हैं।

वरिष्ठ जिला पंजीयक एवं संयोजक जिला मूल्यांकन समिति मंजुलता पटेल ने कहा कि यदि सब सामान्य रहा तो नई 10 कॉलोनी को भी अप्रैल में मंजूरी मिल जाएगी। इनमें श्री कन्हैया विहार लिंबोदी, नंदमहल कॉलोनी खजराना, सिडिंह विनायक रेसीडेंसी खजराना, ट्यूलिप पार्क ब्राह्मणखेड़ी, शांति पैराडाइज लीला एस्टेट बारोली, शंकरा निकेतन बारोली, गुरुकुपा रेसीडेंसी गारीपिपल्या, शंकरा निकेतन एक्सटेंशन बारोली, तत्व ग्रीन मुकता, वरदानिया एस्टेट मांगलिया सड़क शामिल हैं। 91 कॉलोनिनों को फरवरी में ही रजिस्ट्री की अनुमति मिल चुकी है। इनमें सिगापुर इंस्टीट्यूट पार्क, मंगला क्लासिक, रुद्राक्ष आनंद, धन सिटी, होरा रेसीडेंसी एमवीएस आरंभ, बीसीएम पनास आदी।

इंदौर में फायर सेफ्टी को लेकर जिला प्रशासन सख्त



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज राजस्व अधिकारियों, नगर निगम के अधिकारियों, फील्ड बिल्डिंग ऑफिसर्स एवं बिल्डिंग इंस्पेक्टरों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर की बहुमंजिला व्यावसायिक और अन्य इमारतों में फायर सेफ्टी व्यवस्था को लेकर सख्त निर्णय लिए गए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल भी विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक में तय किया गया कि जी+3 एवं उससे अधिक ऊंचाई वाली सभी कमर्शियल और अन्य बिल्डिंग्स को 15 दिन का समय दिया जाएगा, जिसमें उन्हें अपने फायर सेफ्टी प्लान एवं व्यवस्थाओं को पूरी तरह दुरुस्त करना होगा। इस अवधि के बाद यदि किसी भवन में आवश्यक फायर सुरक्षा मानकों का पालन नहीं पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम के नेतृत्व में गठित दलों द्वारा कल से ही फायर सुरक्षा मानकों की व्यवस्थाओं के निरीक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि इस दौरान रैंडम निरीक्षण भी किए जाएंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भवनों में अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकासी मार्ग (एग्जिट), एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध और कार्यशील हैं। साथ ही, यह भी देखा जाएगा कि संबंधित भवनों ने नियमानुसार अनुमति (लाइसेंस) प्राप्त की है या नहीं।

बैठक में यह भी सामने आया कि कई भवनों में निर्माण के बाद अतिरिक्त या अवैध निर्माण किया गया है, जो बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। आवश्यक होने पर नोटिस जारी कर सुधार कार्य करवाया जाएगा या अवैध हिस्सों को हटाने की कार्रवाई भी की जाएगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा प्रमुख रूप से निर्देश दिये गए कि सभी जी+3 एवं उससे अधिक ऊंचाई वाली इमारतों में फायर सेफ्टी उपकरणों की अनिवार्य रूप से जांच कर उन्हें कार्यशील स्थिति में रखा जाए। प्रत्येक भवन में आपातकालीन निकासी मार्ग स्पष्ट, अवरोध मुक्त एवं चिह्नित होना सुनिश्चित किया जाए। बिना अनुमति किए गए अतिरिक्त निर्माणों को तत्काल चिह्नित कर नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं करने वाले भवनों के विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण सहित दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

अधिकारियों ने फायर सेफ्टी से संबंधित निरीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता जताई। इस पर कलेक्टर ने आश्चर्य किया कि सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फायर सेफ्टी मानकों एवं प्रक्रियाओं की समुचित ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वार्ड 48 में करोड़ों के विकास कार्यों का भूमिपूजन, नर्मदा पाइपलाइन व सड़क निर्माण को मिली मंजूरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के इंदौर विधानसभा 5 के वार्ड क्रमांक 48 में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन महापौर पुष्पमित्र भार्गव और विधायक महेंद्र हाडिया द्वारा किया गया। यह भूमिपूजन 12 पथर चौराहा स्थित सेंट पॉल स्कूल के पास आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के तहत 1 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से नर्मदा पाइपलाइन बिछाने और 80 लाख रुपये की लागत से बाह्य पथर से वर्धा विहार तक सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इन कार्यों से क्षेत्र में जल आपूर्ति और सड़क सुविधाओं में सुधार होगा।

इस अवसर पर महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम परिषद का लक्ष्य केवल वर्तमान विकास नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला तैयार करना है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पानी, बेहतर सड़क और सुदृढ़ ड्रेनेज



व्यवस्था उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। शहर को सोलर सिटी, ग्रीन सिटी और डिजिटल सिटी बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर सीधी और गुना एसपी को हटाने के दिये निर्देश

जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक को किया निलंबित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सीधी जिले में अवनक पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद कर प्रशासनिक व्यवस्था और योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन की स्थिति जानी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंवाद के दौरान आमजन और जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर की गई शिकायतों और जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की कार्य प्रणाली पर विस्तार से समीक्षा एवं फीडबैक लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुशासन की व्यवस्था के चलते अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा की गई लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिये प्रदेश में अभियान के साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर भी आयोजित किये जाते हैं। अधिकारी-कर्मचारियों को यह संदेश देना चाहता हूँ कि यदि वे फील्ड में रहकर आमजन की समस्याओं का निराकरण नहीं कर सकते तो उन्हें फील्ड में रहने का कोई अधिकार नहीं है।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना जिले में तलाशी के दौरान मिली नगद राशि में हेरफेर के मामले में पुलिस अधीक्षक गुना श्री अंकित सोनी की भूमिका को यथोचित न मानते हुए पुलिस अधीक्षक पद से हटाने के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के संदर्भ में शासन स्तर पर आवश्यक कदम भी उठाये जायेंगे। प्रदेश में सुशासन की व्यवस्था के चलते अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा की गई लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिये प्रदेश में अभियान के साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर भी आयोजित किये जाते हैं। अधिकारी-कर्मचारियों को यह संदेश देना चाहता हूँ कि यदि वे फील्ड में रहकर आमजन की समस्याओं का निराकरण नहीं कर सकते तो उन्हें फील्ड में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंवाद के दौरान

मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर विधानसभा के मांगलिया में निर्माणाधीन रेलवे ओव्हरब्रिज का निरीक्षण किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज इंदौर जिले के सांवेर विधानसभा के मांगलिया में 45 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन इंदौर-देवास रेलवे समपार ओव्हरब्रिज का निरीक्षण किया। इस मौके पर लोक निर्माण विभाग की कार्यपालन यंत्री सुश्री गुरमीत कौर भाटिया और रेलवे के अधिकारी साथ थे। मंत्री श्री सिलावट ने निर्माणाधीन रेलवे ओव्हरब्रिज के प्रगति कार्यों की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की और उसकी विस्तृत समीक्षा की। साथ ही उन्होंने रेलवे



ओव्हरब्रिज की ड्राइंग और डिजाइन देखी और मौके पर ही रतलाम डीआरएम से दूरभाष पर बातचीत कर निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। इस रेलवे ब्रिज की लंबाई 790 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर है। मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि

रेलवे ओव्हरब्रिज का निर्माण कार्य समयसीमा में गुणवत्ता के साथ करें। लोक निर्माण विभाग और रेलवे समन्वय के साथ कार्य करें। निर्माण कार्यों की प्रगति रिपोर्ट हर 15 दिवस में प्रस्तुत करें और उसकी मॉनीटरिंग करें।

श्री सिलावट ने बताया कि यह रेलवे ओव्हर ब्रिज ओंकारेश्वर से महाकालेश्वर उज्जैन का लिंक रोड है, जिस पर हजारों वाहनों का आवागमन होता है। इस रेलवे ओव्हर ब्रिज का निर्माण होने से प्रतिदिन 1 लाख से अधिक लोगों को सुलभ व सस्ल आवागमन होगा।

नई गाइड लाइन के साथ इन क्षेत्रों को मिलेगी रजिस्ट्री की सौगात, घर का सपना होगा पूरा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई गाइड लाइन (2026-2027) लागू होने के साथ ही यह शहर की कई कॉलोनिनों के लिए खुशखबरी लेकर आया। नई गाइड लाइन के साथ ही यहां पर रजिस्ट्री की अनुमति भी मिल जाएगी। नई गाइड लाइन के पहले ही इंदौर की प्रॉपर्टी गाइड लाइन में 91 नई कॉलोनियां शामिल हो चुकी है। अब अप्रैल में 10 और नई कॉलोनिनों को गाइड लाइन में शामिल किया जाएगा और फिर यहां पर भी रजिस्ट्री शुरू हो जाएगी। इसके बाद इन कॉलोनिनों में प्लॉटधारक या प्रॉपर्टी लेने वाले रजिस्ट्री करवा सकेंगे। फरवरी में इंदौर पंजीयन विभाग ने 101 कॉलोनिनों का प्रस्ताव दिया था, लेकिन मुख्यालय से 10 कॉलोनिनों में अलग-अलग तरह की विस्पष्टि होने से उन्हें रोक दिया गया था। अब इन्हें अप्रैल से लागू होने वाली नई गाइड लाइन में जोड़ लिया जाएगा। जिन 10 कॉलोनिनों को छोड़ा है, उनमें लोकेशन की प्रस्तावित दरों में कुछ विस्पष्टियां थीं। इसलिए फिलहाल उन्हें छोड़ा गया है। मालूम हो, सितंबर में 101 कॉलोनिनों का प्रस्ताव दिया था, जिसमें से 91 को गाइड लाइन में शामिल कर लिया गया है और दस बची हुई हैं। इन्हें शामिल करने से आम लोगों को तो फायदा होगा ही, शासन को भी राजस्व मिलेगा। इन बची हुई कॉलोनिनों में अप्रैल में ही 100 से ज्यादा रजिस्ट्री होने के आसार हैं।

वरिष्ठ जिला पंजीयक एवं संयोजक जिला मूल्यांकन समिति मंजुलता पटेल ने कहा कि यदि सब सामान्य रहा तो नई 10 कॉलोनी को भी अप्रैल में मंजूरी मिल जाएगी। इनमें श्री कन्हैया विहार लिंबोदी, नंदमहल कॉलोनी खजराना, सिडिंह विनायक रेसीडेंसी खजराना, ट्यूलिप पार्क ब्राह्मणखेड़ी, शांति पैराडाइज लीला एस्टेट बारोली, शंकरा निकेतन बारोली, गुरुकुपा रेसीडेंसी गारीपिपल्या, शंकरा निकेतन एक्सटेंशन बारोली, तत्व ग्रीन मुकता, वरदानिया एस्टेट मांगलिया सड़क शामिल हैं। 91 कॉलोनिनों को फरवरी में ही रजिस्ट्री की अनुमति मिल चुकी है। इनमें सिगापुर इंस्टीट्यूट पार्क, मंगला क्लासिक, रुद्राक्ष आनंद, धन सिटी, होरा रेसीडेंसी एमवीएस आरंभ, बीसीएम पनास आदी।

कांग्रेस ने खेत में किया प्रदर्शन : किसानों के गेहूं का भाव 2700 से 3000 रुपये क्विंटल एवं बोनस 200 से 300 रुपये की मांग

गेहूं पर किसानों को मात्र 40 रुपये बोनस जले पर नमक छिड़कना है- सिसौदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों को बोनस के रुपये 40 रुपये दिए जाने से आक्रोशित किसानों के साथ कांग्रेस नेताओं ने रविवार को

मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कई गेहूं के खेतों में जाकर किसानों से चर्चा की। किसानों को पुष्माला पहनाकर उनका सम्मान भी किया। कांग्रेस नेताओं ने किसानों के साथ गेहूं के खेत में किसानों को पुष्माला भी पहनाई और कहा कि आप धन्य है कि उपज ओने पोने दामो में बिकने के बाद भी आप गेहूं की खेती कर रहे हो और लोगों का पेट भर रहे हो। इसके साथ ही किसानों एवं कांग्रेसजनों ने हथों में तख्तियां भी ले रखी थी, जिस पर लिखा था- शर्म करो गेहूं पर 40 रुपये बोनस यह तो ऊंट के मुंह में जिरा भी नहीं है।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, ढोलपुरा प्राथमिक शाला के दो छात्र चयनित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय प्राथमिक विद्यालय ढोलपुरा से प्रधानाध्यापक श्री सिद्धू लाल पुरोहित द्वारा किए गए शैक्षिक नवाचार सांदीपनी पुरस्कार एवं नवोदय परीक्षा के लिए विशेष क्लास लगाने के अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप नवोदय विद्यालय के लिए कक्षा पांचवी के दो बालकों का चयन हुआ है। छात्र राहुल भील और कंवकलाल भील दोनों छात्र मेरिट में स्थान पाकर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए चयनित हुए हैं।

विद्यालय में पिछले तीन वर्षों से प्रधानाध्यापक श्री पुरोहित द्वारा स्थापित सांदीपनी पुरस्कार के अंतर्गत जो बच्चे कक्षा पांचवीं बोर्ड परीक्षा में प्रथम आते है और वे नवोदय परीक्षा में चयनित होते हैं उन छात्रों को विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री सिद्धू लाल पुरोहित सांदीपनी पुरस्कार के तहत 1000 रुपये नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित करते हैं।

ढोलपुरा के दो छात्र पूर्व में भी नवोदय में चयनित हो चुके है, जो नवोदय में अध्ययन कर रहे हैं। अब तक ढोलपुरा विद्यालय के दो बालक और दो बालिकाओं का नवोदय में चयन हो चुका है। इन दो छात्रों के चयन से गांव में उत्साह और शासकीय विद्यालय के प्रति सकारात्मकता का निर्माण बना है। आसपास के गांव वाले भी विद्यालय द्वारा लगातार श्रेष्ठ परिणाम से प्रभावित होकर विद्यालय में प्रवेश के लिए आ रहे हैं छात्रों का नवोदय में चयन होने से समाज एवं गांव में बहुत ही उत्साह का वातावरण है। प्रधानाध्यापक ने दोनों छात्रों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

नीमच में उच्च शिक्षा को लगे नए पंख : विधायक परिहार के प्रयासों से मिली 2.83 करोड़ की सौगात

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विकास को एक नई गति देते हुए विधायक दिलीपसिंह परिहार के प्रयासों से स्वामी विवेकानंद कॉलेज, नीमच को 2.83 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण सौगात प्राप्त हुई है। इस राशि से कॉलेज परिसर में दो आधुनिक सेमिनार हॉल, दो प्रयोगशालाएं एवं दो स्टाफ कक्षों का निर्माण किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक

महामाया भादवामाता के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा की वैष्णोदेवी के नाम से प्रसिद्ध नीमच जिले में स्थित महामाया भादवामाता मंदिर में नवरात्रि मेला चल रहा है। बीते दिन कल नवरात्री के चौथे दिन रविवार को माताजी के दर्शन के लिए आस्था का सैलाब उमड़ा। सुबह से लेकर शाम तक हजारों भक्त दर्शन कर चुके थे। भक्तों की भीड़ को लेकर पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा। एक तो नवरात्री है वहीं उपर से रविवार। रविवार को सामान्य दिनों की तुलना में भक्तों की संख्या ज्यादा रहती है। इस लिहाज से 22 मार्च 2026 को रविवार को भक्तों की संख्या ने सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए।



माताजी की ख्याति दूर-दूर तक फैली- महामाया भादवामाता की ख्याति दूर-दूर तक फैली है। माताजी के दर्शन के लिए नवरात्री पर्व के दौरान भक्त उमड़ रहे है। माताजी की शक्ति बहुत है। साक्षात दर्शन देती है। माताजी के दर्शन मात्र से ही भक्तों के कष्ट दूर हो जाते है

और मनचाही मन्त्रों पूरी होती है। माताजी के चमत्कार से लाखों लोग वाकिफ है।

कंधो के सहारों आते है, खुद चलकर जाते है - माताजी के दरबार में लकवा प्रस्त रोगी ठीक होते है। मंदिर पांच सौ साल पुराना है। सदियों से माताजी भक्तों की रक्षा करती चली आ रही है। माताजी मंदिर परिसर में एक बावड़ी स्थित है, बावड़ी का पानी दवा के रूप में काम करता है। जिनको लकवा मार जाता है, माताजी के दरबार में उसे लाते है और चंद दिनों में ही उसे बावड़ी के पानी से नहाने से ठीक हो जाता है। यही कारण है कि माताजी के दरबार में लकवाग्रस्त रोगियों की संख्या हमेशा में रहती है। मंदिर परिसर

में ही उन्हें माताजी के आसरे रखा जाता है। चमत्कार है कि रात के समय माताजी मंदिर परिसर में भ्रमण करती है और रोगी को स्पर्श कर ठीक कर देती है। सुबह रोगी उत्कर देखते है तो हाथ-पैर सही सलामत काम करते हुए नजर आते है। माताजी सुरक्षा कवच बनकर करती है भक्तों की रक्षा- मां भादवामाता अपने भक्तों की रक्षा स्वयं करती है। अदृश्य शक्ति के रूप में भक्त के आसपास रहती है, उस पर आने वाली विपत्ति को दूर कर देती है। अनगिनत लोगों की रक्षा करने के लिए। मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात सहित देश के कौने-कौने से भक्त माताजी के दर्शन करने के लिए पहुंच करे है।

गणपति नगर व इंदिरा नगर क्षेत्र में 350 फीट लंबी भव्य चुनरी यात्रा ने रचा इतिहास, शीतला माता मंदिर स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर उमड़ा आस्था का सैलाब

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणपति नगर व इंदिरा नगर क्षेत्र में रविवार 22 मार्च को आस्था, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब माँ शीतला माता मंदिर की स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर 350 फीट लंबी भव्य और ऐतिहासिक चुनरी यात्रा निकाली गई। इस दौरान क्षेत्र का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

नवदुर्गा महिला मंडल की अध्यक्ष पुष्पा सिसौदिया एवं सचिव बेला सोनी ने बताया कि इस विशेष अवसर को यादगार बनाने के लिए विशाल चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा दोपहर 4:30 बजे खेल मैदान परिसर (गैस गोदाम क्षेत्र, वार्ड क्रमांक 8) से प्रारंभ होकर



गणपति नगर, इंदिरा नगर एवं न्यू इंदिरा नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई निकली। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। पूरे मार्ग में माता रानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। महिलाओं में चुनरी को पकड़ने के लिए विशेष

कर्नाटक राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोहरा यूपीवीसी उद्योग का किया शुभारंभ



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जग्गाखेड़ी में आज सोहरा यूपीवीसी उद्योग का शुभारंभ महामहिम राज्यपाल कर्नाटक थावरचंद गहलोत द्वारा किया गया। इस

अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं श्री सतीश मालवीय, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री गहलोत ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर युवा आगे बढ़ें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी पाने तक सीमित न रहें, बल्कि स्वयं उद्यम स्थापित कर अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान करें। उन्होंने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस अवसर पर उद्योग से संबंधित जानकारी देते हुए बताया गया कि यूपीवीसी एक अत्यंत लोकप्रिय एवं टिकाऊ कंस्ट्रक्शन मटेरियल है, जिसका उपयोग मुख्यतः खिड़कियों एवं दरवाजों के निर्माण में किया जाता है। यह पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ लंबे समय तक टिकाऊ और कम रखरखाव वाला विकल्प है, जिसके कारण आजकल घरों और कार्यालयों में इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

44 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में, हजारों की मौजूदगी में संपन्न हुआ भव्य सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन, बिंदौली का हुआ ऐतिहासिक स्वागत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कर्जं मुक्त बहु-बेटी संकल्प हमारा, हम सब की लाड़ो अभियान के तहत श्री ग्रामीण विकास चेरिटेबल ट्रस्ट संस्थान के तत्वावधान में तृतीय सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन कृषि उपज मंडी प्रांगण, पिपलिया में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुल 44 जोड़े वैदिक रीति-रिवाजों के साथ परिणय सूत्र में बंधे। आयोजन में रत्नलाम, वृतापगढ़, मंदसौर एवं नीमच सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में वर-वधू एवं उनके परिजन शामिल हुए।

सम्मेलन को लेकर सुबह से ही नगर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। आयोजन की शुरुआत प्रातः 8 बजे विधिवत गणेश पूजन के साथ हुई, जिसमें आयोजकों एवं उपस्थित अतिथियों ने मंगलकामनाएं की। इसके पश्चात प्रातः 10.30 बजे बैड-बाजों के साथ बिंदौली निकाली गई, जिसने पूरे नगर का ध्यान आकर्षित किया। बिंदौली में दूल्हे घोड़ों एवं सुसज्जित खुली



जीपों में सवार थे, वहीं दुल्हनों को सुसज्जित बागियों में बैठाकर नगर भ्रमण कराया गया। बिंदौली का नगर के विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। नागरिकों, व्यापारिक संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा पुष्पवर्षा कर वर-वधुओं का अभिनंदन किया गया। कई स्थानों पर स्वल्पाहार एवं पेयजल की व्यवस्थाएं भी की गईं। प्रातः 11.30 बजे तोरण रस्म सम्पन्न हुई, जिसके बाद दोपहर 1.30 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न कराया गया। इस दौरान 44 जोड़ों ने अग्नि के साक्षी सात फेरे लेकर जीवनपर्यंत साथ निभाने का

संकल्प लिया। शाम के समय भावुक माहौल के बीच नवविवाहित जोड़ों को परिजनों द्वारा विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निम्बाहेड़ा सांसद श्रीचंद कृपलानी, भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया, उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगर, मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष कृष्णकुमार भूत, प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग अध्यक्ष चंचलेश व्यास, किन्नर गुरु अनिता दीदी, कांग्रेस नेता अनिल शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश पाटीदार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, धार्मिक गुरु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में सामूहिक विवाह जैसे आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में आर्थिक बोझ को कम करने के साथ-साथ सामाजिक समरसता एवं एकता को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का संचालन ओमप्रकाश गेहलोत एवं रंरेश जजवानी ने किया, जबकि आभार पुष्पा डांगी ने माना।

श्री वीर हनुमानजी यात्रा का निमंत्रण और पीले चावल मातृशक्ति दल घर-घर भेंट करेगा

अनिता दीदी के सानिध्य में बैठक संपन्न हुई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री हनुमानजी जन्मोत्सव के एक दिवस पूर्व एक अप्रैल को श्री तलाव वाले बालाजी मंदिर परिसर से निकलने वाली श्री हनुमान यात्रा में सम्मिलित होने के लिए घर-घर जाकर आयोजन समिति से जुड़ी हुई मातृशक्ति का दल निमंत्रण पत्र एवं पीले चावल भेंट करेगा। और सभी से यात्रा में आधिकारिक संख्या में सम्मिलित होने का अनुरोध किया जाएगा।

श्री खादू श्याम मंदिर के सभागार में अनीता दीदी किन्नर गुरु के सानिध्य में श्री वीर हनुमान यात्रा आयोजन समिति की मातृशक्ति समूह की बैठक संपन्न हुई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थीं। आयोजन समिति के द्वारा बैठक में उपस्थित महिलाओं को निमंत्रण पत्रक और



पीले चावल की थैलियां प्रदान की गईं। उल्लेखनीय है कि मातृशक्ति समूह की प्रथम बैठक में ही यह निर्णय ले लिया गया था कि 1 अप्रैल को निकलने जा रही श्री वीर हनुमान यात्रा का सभी मातृशक्ति नगर में विभिन्न क्षेत्रों में

अलग-अलग समूह में घर-घर जाकर निमंत्रण पत्र एवं पीले चावल भेंट करेंगी और नगर के परिवारों से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में सम्मिलित होने का आग्रह किया जाएगा। इसी की तैयारी को लेकर यह बैठक संपन्न हुई। बैठक में आरती दवे, निर्मला गुप्ता, किरण मावर, प्रीति रोखले, विद्या उपाध्याय, रूपल संचेती, सुनीता भावसार, वंदना भावसार, राजू परिहार, मंजू जाट, फुलकुवर भावसार, नीता चौबे, सोमलता जोशी, विद्या कड़ैतिया, गरिमा भाटी समेत बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित थीं।

सिंगोली: सरकारी गुरुजी का खूनी खेल, पटे की जमीन के विवाद में किसानों पर सबल से हमला

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा के मंदिर में जान बंटने वाले एक सरकारी शिक्षक जब %दवंग% की भूमिका में आ जाए, तो रसक ही भक्षक बन जाता है। मामला सिंगोली थाने के ग्राम अरनिया का है, जहां एक सरकारी शिक्षक सोहनलाल धाकड़ पर किसानों की निजी भूमि पर कब्जा करने और विरोध करने पर जानलेवा हमला करने का गंभीर आरोप लगा है। विवाद की जड़- लाल पत्थर और अवैध कब्जा- पीड़ित किसानों के अनुसार, ग्राम अरनिया के सरकारी मास्टर सोहनलाल पिता प्याचंद धाकड़ ने करीब दो महिने पहले 6 किसानों की पट्टे वाली जमीन पर लाल पत्थर



डालकर अवैध रूप से कब्जा करने की कोशिश की थी। किसानों ने कानूनी रास्ता अपनाते हुए तहसील कार्यालय में आवेदन देकर जमीन की सरकारी रजिस्ट्रार में दर्ज करवाई। प्रशासन द्वारा जमीन किसानों की पाए जाने के

बाद शिक्षक सोहनलाल आगबबूला हो गया।

सबल से जानलेवा हमला, दो किसान गंभीर- बीती 14 मार्च 2026 को विवाद तब खूनी संघर्ष में बदल गया जब आरोपी सोहनलाल ने लोहे की सबल (भारी रॉड) से किसानों पर हमला कर दिया। इस हमले में अशोक धाकड़ पिता रामलाल, ओमप्रकाश धाकड़ पिता रामलाल दोनों किसान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हमले का एक रंगरेट खड़े कर देने वाला वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी साफ तौर पर हिंसा करता दिखाई दे रहा है।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल- घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी शिक्षक खुलेआम घूम रहा है। पीड़ितों का आरोप है कि सिंगोली थाना पुलिस ने वीडियो साक्ष्य देखने के बाद ऋद्धकृती दर्ज की, लेकिन गिरफ्तारी नहीं कर रही। पीड़ितों का दावा है कि पुलिस विभाग आरोपी से सांठगांठ कर उन पर दबाव बना रहा है। सरकारी सेवा में होने के बावजूद आरोपी पर अब तक कोई विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। न्याय की गुहार लगा रहे पीड़ित किसानों का कहना है कि क्या एक सरकारी शिक्षक को कानून का कोई खोफ नहीं है? क्या वर्दी के संरक्षण में मास्टर साहब का गुंडाराज चलेगा?

उत्साह और होड़ देखने को मिली, जो इस आयोजन की विशेष आकर्षण रही।

भव्य यात्रा विभिन्न क्षेत्रों से होती हुई पुनः माँ शीतला माता मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर माता रानी को चुनरी अर्पित की गई। इस अवसर पर मॉनिंग क्लब इंदिरा नगर द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण भी किया गया।

आयोजक नवदुर्गा महिला मंडल ने क्षेत्र की समस्त माताओं, बहनों एवं धर्मप्रेमी जनता का आभार व्यक्त किया। यह ऐतिहासिक चुनरी यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बनी, बल्कि इंदिरा नगर क्षेत्र में एक नई मिसाल भी स्थापित कर गई।

सम्पादकीय

हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य पर नियंत्रण की जंग

दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार की एक महत्वपूर्ण धुरी हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य है। यह एक अत्यंत संकीर्ण जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को खुले समुद्र से जोड़ता है। इसी मार्ग से दुनिया के लगभग एक-चौथाई तेल और गैस का परिवहन होता है। ऐसे में ईरान द्वारा इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय कानून और ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

यह कदम ऐसे समय में सामने आया है जब पूरी दुनिया पहले से ही ऊर्जा संकट, आर्थी भ्रूंचला में बाधा और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे देश इस मार्ग पर अत्यधिक निर्भर हैं। इन देशों से निकलने वाला तेल और गैस इसी संकरे रास्ते से होकर वैश्विक बाजारों तक पहुँचता है। यदि इस मार्ग में किसी प्रकार का अवरोध या अतिरिक्त लागत जुड़ती है, तो इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

ईरान का तर्क है कि वह इस क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखता है और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसे शुल्क लेने का अधिकार होना चाहिए। लेकिन यह तर्क अंतरराष्ट्रीय कानून की मूल भावना के विपरीत है। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय जलडमरूमध्यों में सभी देशों के जहाजों को निर्बाध रूप से गुजरने का अधिकार है। कोई भी देश इस अधिकार को रोक नहीं सकता और न ही इसके बदले शुल्क वसूल सकता है। यदि कोई देश ऐसा करता है, तो यह सीधे-सीधे अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

ईरान और इस क्षेत्र का इतिहास इस बात का गवाह है कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य हमेशा से तनाव और रणनीतिक दबाव का केंद्र रहा है। पिछले कई दशकों में ईरान ने कई बार इस जलमार्ग को बंद करने की धमकी दी है, विशेषकर जब उसके और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड फोर्स (ईरान की इस्लामी क्रांतिकारी रक्षक सेना) द्वारा इस क्षेत्र में जहाजों की निगरानी, जांच और कभी-कभी उन्हें रोकने की घटनाएँ भी सामने आती रही हैं।

लेकिन मौजूदा स्थिति पहले से अलग है। अब यह केवल सैन्य दबाव का मामला नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थित आर्थिक ढाँचे के रूप में नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होता है। यदि यह योजना सफल होती है, तो यह ईरान को इस जलमार्ग पर एक प्रकार की ःआर्थिक सत्ताः प्रदान कर सकती है, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डाल सकेगा।

इस संभावित व्यवस्था के वैश्विक परिणाम बेहद गंभीर हो सकते हैं। सबसे पहले, ऊर्जा की कीमतों में तेज़ वृद्धि देखने को मिलेगी। तेल और गैस की कीमतें सीधे इस मार्ग की स्थिरता से जुड़ी होती हैं। यदि जहाजों को शुल्क देना पड़े या उन्हें मार्ग में बाधाओं का सामना करना पड़े, तो परिवहन लागत बढ़ जाएगी। इसका असर केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका प्रभाव हर उस वस्तु पर पड़ेगा जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा है।

खाद्य पदार्थ, उर्वरक, औद्योगिक कच्चा माल और अन्य आवश्यक वस्तुएँ भी महंगी हो सकती हैं। इससे महंगाई बढ़ेगी और विकासशील देशों पर इसका अधिक प्रभाव पड़ेगा। विशेष रूप से उन देशों के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण होगी, जो पहले से ही आर्थिक दबाव और आयात पर निर्भरता का सामना कर रहे हैं।

दूसरी ओर, यह कदम क्षेत्रीय तनाव को भी बढ़ा सकता है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने इस प्रस्ताव पर अपनी चिंता व्यक्त की है। उनके लिए यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि संप्रभुता और सुरक्षा का प्रश्न भी है। यदि ईरान इस जलमार्ग पर एकरूपता नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश करता है, तो यह क्षेत्रीय संघर्ष को जन्म दे सकता है।

इस संदर्भ में वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से इस क्षेत्र में अपनी नौसैनिक उपस्थिति बनाए हुए है ताकि समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जा सके। यदि ईरान अपने प्रस्ताव को लागू करता है, तो अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया तेज़ और निर्णायक हो सकती है। यह स्थिति कूटनीति से लेकर सैन्य रणनीति तक कई स्तरों पर प्रभाव डाल सकती है।

यह पूरी घटना एक बड़े सवाल को जन्म देती है-क्या अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था अब भी नियमों और सहयोग पर आधारित रहेगी, या फिर शक्तिशाली देश अपने सामरिक स्थान और ताकत का उपयोग करके नियमों को अपने अनुसार बदलने लगेगे?

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित वैश्विक व्यवस्था का एक प्रमुख आधार यह रहा है कि समुद्र और अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग सभी देशों के लिए खुले रहेंगे। इसी सिद्धांत ने वैश्विक व्यापार और शांति को बढ़ावा दिया है। लेकिन यदि कोई देश इस सिद्धांत को चुनौती देता है और उसे रोकना नहीं जाता, तो यह पूरी व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है।

इसके अलावा, यह घटना इस तथ्य को भी उजागर करती है कि आज के समय में भौगोलिक स्थान (ज्योग्राफिकल पोजिशन) भी शक्ति का एक बड़ा स्रोत बन गया है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे स्थान केवल नक्शे पर एक बिंदु नहीं हैं, बल्कि वे वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के निर्णायक केंद्र बन चुके हैं। जो देश ऐसे स्थानों को नियंत्रित करता है, वह वैश्विक व्यापार और ऊर्जा प्रवाह को प्रभावित कर सकता है।

धर्म, ईश्वर की आराधना की विधि नहीं है बल्कि ईश्वर को पाने की आकांक्षा है



संघर्ष के समय परमात्मा को याद करना स्वाभाविक है। परंतु जब हम पूर्ण संतुष्टि में हों तो भी परमात्मा से जुड़े रहना हमारी इस संतुष्टि को स्थाई बनाने के लिए जरूरी है। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि परम के संग जुड़ने ही ही हमारे जीवन की सार्थकता है।

जो साथ जाएगा ही नहीं, जो जरूरी नहीं उसमें हमारा चित्त ज्यादा लगता है, और जो

साथ जाना है उसका हम चिंतन ही नहीं करते हैं। साथ क्या जाना है? साथ जाएगा हमारे अंदर स्थापित होने वाला धर्म। धर्म, ईश्वर की आराधना की विधि नहीं है बल्कि ईश्वर को पाने की आकांक्षा है।

जीवन में संघर्ष तो करना ही पड़ता है। वह संघर्ष हम अपने जीवन को जीते हुए अपने परिवार के लिए, उनके सुखशा एवं संरक्षण के लिए करते हैं, वो? हमारा दायित्व है। इस संघर्ष के दौरान हम ईश्वर से सफलता हेतु प्रार्थना करते हैं तो फल प्राप्त होगा या नहीं यह हम पूर्ण विश्वास के साथ नहीं कह सकते क्योंकि यहां हमारी ईश्वर से की गई इच्छा शुद्ध? नहीं है। शुद्ध इच्छ के अंदर जागृत होते ही हम पवित्र होने लगते हैं, ईश्वर के सान्निध्य में रहने लगते हैं। सहज योग के माध्यम से इच्छ को शुद्ध? इच्छा में परिवर्तित करने का मार्ग मिलता है और हम परमेश्वर के चित्त में स्थान पाते हैं। इससे बड़ी और क्या उपलब्धि हो सकती है हमारे लिए। हम एक सामान्य इंसान से दिव्य? हो जाते हैं। और ऐसा होते ही हर जिम्मेदारी हमें आसानी? लगने लगती है।

इस संबंध में परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी कहती हैं- एक बार जब आप सच्चाई को धारण कर लेते हैं तो आपका अपना जीवन ही लोगों को विश्वास दिलायेगा कि आप दिव्य हैं। जो कुछ भी आप करते हैं, वह लोगों को यकीन देगा कि आप दिव्य हैं, और जो कुछ भी आप कहेंगे, लोग जान जाएंगे कि यह दिव्य शक्ति से आ रहा है अपने दैनंदिन जीवन के हर क्रियाकलाप के साथ ईश्वर के चित्त में भी स्थान पा लें तो जीवन कितना आसान होगा ना? इसलिए इस पर विचार करते हैं और जुड़ते हैं दिव्य सहज योग से।

श्र्क्षित पर अचानक छ्र जाने वाला घना अंधकार, समुद्री की गर्जन करती लहरें और प्रकृति की अनिश्चित चाल-मौसम का यह स्वरूप केवल परिवर्तन नहीं, बल्कि चेतावनी का संकेत भी है। 23 मार्च 2026 का विश्व मौसम दिवस इसी संकेत को समझकर उसे मानव सुरक्षा में बदलने का सशक्त संदेश देता है। इस वर्ष की थीम आज का अवलोकन, कल की सुरक्षा केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि आधुनिक विज्ञान की वह आधारशिला है जिस पर सुरक्षित भविष्य निर्मित होता है। आज पृथ्वी के हर कोने से एकत्रित होने वाला सूक्ष्म डेटा हमें संभावित खतरों से पहले ही सतर्क कर देता है। यही वजह है कि मौसम विज्ञान अब सिर्फ पूर्वानुमान की सीमा में नहीं, बल्कि जीवन रक्षा के एक प्रभावी और अनिवार्य साधन के रूप में स्थापित हो चुका है।

प्रकृति के रहस्यों को जानने की मानव जिज्ञासा ने ही विश्व मौसम दिवस की मजबूत नींव रखी। 23 मार्च 1950 को इसकी औपचारिक शुरुआत एक वैश्विक संगठन के रूप में हुई, जिसने दुनिया के देशों को एक साझा मंच पर जोड़ा। इसका उद्देश्य स्पष्ट और व्यापक था-मौसम, जलवायु और जल संसाधनों को बेहतर ढंग से समझने के लिए सहयोग और सूचनाओं का मुक्त आदान-प्रदान सुनिश्चित करना। समय के साथ यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन न रहकर एक प्रभावशाली जागरूकता अभियान बन गया, जो यह संदेश देता है कि प्रकृति को समझे बिना संतुलित विकास संभव नहीं। यह दिन उस ऐतिहासिक निर्णय की याद दिलाता है, जब विश्व

अमेरिका-ईरान-इसराइल

महायुद्ध युद्ध विराम के लिए

भारत होगा संभावित विकल्प

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। विशेषकर तब जब दुनिया लगातार संघर्षों की आग में झुलस रही है, रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष और महायुद्ध-अमेरिका-इजरायल-ईरान महायुद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक शांति स्थापित करने वाली संस्थाएं अपेक्षित प्रभाव खोती जा रही हैं। कभी विश्व राजनीति का केंद्र माने जाने वाला यह संयुक्त राष्ट्र संघ अब कई बार केवल औपचारिक बयानबाजी तक सीमित दिखाई देता है, युद्धविरोध के प्रयास या तो बहुत दूर से होते हैं या फिर प्रभावहीन सिद्ध होते हैं, यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय संघों पर यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना और कार्यप्रणाली आज के समय के अनुरूप है भी या नहीं, क्योंकि स्थायी सदस्यों के वीटो अधिकार ने कई बार निर्णय प्रक्रिया को जकड़ कर रखा दिया है। परिणामस्वरूप शक्तिशाली देशों के हितों के आगे सामूहिक शांति प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं, इस संदर्भ में यह धारणा भी बलवती हुई है कि संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रभाव इस संस्था पर अत्यधिक है उसे अमेरिका का पिछलग्गू कहा जाता है जिससे निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं।

ऐसे जटिल वैश्विक समीकरणों के बीच भारत एक संतुलित और विश्वसनीय शक्ति के रूप में उपर कर सामने आया है। भारत की विदेश नीति का मूल आधार ःवसुधैव कुटुम्बकम्ः और ःसर्वे भवन्तु सुखिनःः जैसे सिद्धांत रहे हैं, यही कारण है कि भारत ने कभी भी किसी एक ध्रुव का समर्थन करने के बजाय संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। चाहे संबंध अमेरिका से हों या रूस से, चाहे इजरायल के साथ रणनीतिक साझेदारी हो या ईरान के साथ ऊर्जा और सांस्कृतिक रिश्ते, भारत ने हर दिशा में संतुलन बनाए रखा है, यही संतुलन आज उसे वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका के लिए उपयुक्त व बेहतर विकल्प बनाता है। वर्तमान परिस्थिति में जब पश्चिमी देश एक तरफ खड़े दिखाई देते हैं और कई इस्लामी देश दूसरी तरफ, तब भारत एक ऐसे राष्ट्र के रूप में सामने आता है जिसके पास सभी पक्षों से संवाद करने की क्षमता और विश्वास दोनों हैं, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब तथा अन्य अरब देशों के साथ भारत के मजबूत आर्थिक और कूटनीतिक संबंध हैं, वहीं फ्रांस और ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों के साथ भी भारत की साझेदारी मजबूत है, इसके अतिरिक्त अफ्रीकी देशों के साथ भारत का ऐतिहासिक सहयोग और विकासात्मक भागीदारी उसे एक व्यापक वैश्विक प्रतिनिधित्व बनाती है, यही कारण है कि आज जब संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं तब भारत को एक संभावित विकल्प या कम से कम एक प्रभावी पूरक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि वह भी समझना आवश्यक है कि किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया में शांति स्थापित करना आसान नहीं है, भारत की अपनी सीमाएं हैं, उसकी प्राथमिकताएं हैं और उसकी आंतरिक चुनौतियां भी हैं।

–संजीव ठाकुर

ने मौसम विज्ञान को मानव कल्याण का आधार स्वीकार किया।

आज मौसम विज्ञान अत्याधुनिक तकनीकों से संचालित एक सशक्त और विस्तृत तंत्र बन चुका है। उपग्रहों की सतत निगरानी, रडार की सटीक प्रणाली, समुद्री उपकरणों की सक्रियता और स्वचालित मौसम केंद्र मिलकर पृथ्वी के हर हिस्से पर नजर रखते हैं। प्रतिदिन एकत्रित विशाल आंकड़ों का विश्लेषण सुपर कंप्यूटर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से किया जाता है। इनसे तैयार पूर्वानुमान केवल मौसम की जानकारी तक सीमित नहीं रहते, बल्कि कृषि, परिवहन, उद्योग और आपदा प्रबंधन को भी स्पष्ट दिशा प्रदान करते हैं। यह तंत्र जितना जटिल है, उतना ही अनिवार्य भी, क्योंकि इसी के माध्यम से अनिश्चित परिस्थितियों को पहले से समझकर उनसे बचाव संभव होता है।

आज का अवलोकन, कल की सुरक्षा थीम इस पूरी व्यवस्था का मूल और प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत करती है। आज किया गया हर मापन और हर अवलोकन भविष्य के संभावित संकटों को टालने का मजबूत आधार बनाता है। किसी छोटे गांव में दर्ज तापमान या समुद्र से प्राप्त एक संकेत भी व्यापक प्रभाव डाल सकता है। यह थीम स्पष्ट रूप से बताती है कि अवलोकन केवल वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। जब किसान मौसम के संकेतों को समझता है या सामान्य नागरिक चेतावनियों पर ध्यान देता है, तब वह भी इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा बन जाता है।

भगत सिंह का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सावरकर की करते थे तारीफ

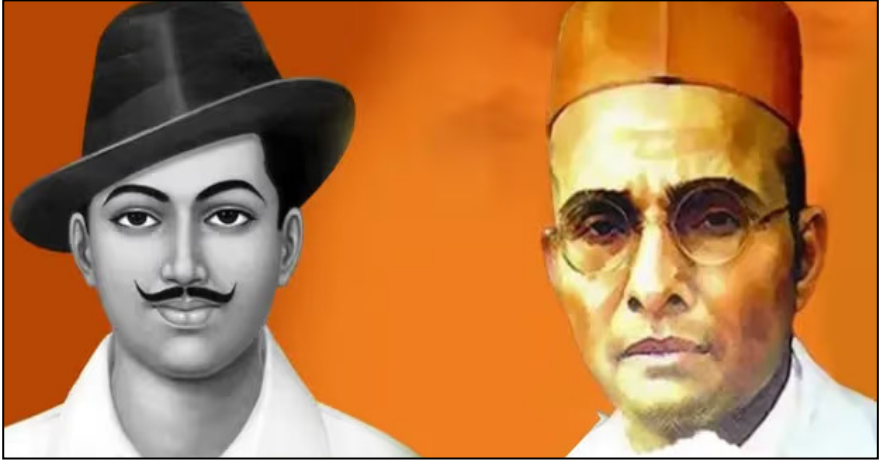
23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी। देश इस दिन को ‘बलिदान दिवस’ के रूप में स्मरण करता है। उनके बलिदान ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया। किंतु समय के साथ इस बलिदान की व्याख्या, अक्सर एक विशेष वैचारिक दृष्टिकोण के माध्यम से की जाती रही।

पाठ्य-पुस्तकों, लेखों और सार्वजनिक विमर्श में विशेष रूप से भगत सिंह को एक मार्क्सवादी क्रांतिकारी के रूप में स्थापित करने का प्रयास हुआ, जबकि विनायक दामोदर सावरकर जैसे क्रांतिकारी को प्रायः सांप्रदायिक खांचे में रखकर प्रस्तुत किया गया। परंतु जब इतिहास के पन्नों को ध्यान से देखा जाता है तो एक अलग ही तस्वीर सामने आती है। वास्तव में भगत सिंह और सावरकर, दोनों ही भारत को एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में देखते थे और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा से प्रेरित थे। एक-दूसरे के विचारों और कार्यों का उन पर गहरा प्रभाव था। वीर सावरकर और भगत सिंह के संबंधों से जुड़े कई ऐतिहासिक तथ्य इस बात की पुष्टि करते हैं।

पुछाा है प्रमाण- प्रसिद्ध मराठी इतिहासकार य. दि. फडुके के अनुसार, भगत सिंह सावरकर को बतौर क्रांतिकारी एक आदर्श के रूप में देखते थे। उन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम पर सावरकर की प्रसिद्ध पुस्तक ‘1857 का स्वातंत्र्य समर’ का अंग्रेजी अनुवाद प्रकाशित कराया और उसे क्रांतिकारियों के बीच प्रचारित भी किया।

सावरकर की एक अन्य पुस्तक ‘हिंदूदय्यादशाही’ का भी भगत सिंह पर प्रभाव दिखाई देता है। अपनी जेल डायरी में उन्होंने इस पुस्तक से कई उद्धरण दर्ज किए हैं। उदाहरण के लिए- ‘बलिदान की सराहना केवल तभी की जाती है जब बलिदान वास्तविक हो या सफलता के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक हो।

लेकिन जो बलिदान अंततः सफलता की ओर नहीं ले जाता है, वह आत्मघाती है और इसलिए मराठा युद्धनीति में उसका कोई स्थान नहीं था।’ (हिंदूदय्यादशाही, पृष्ठ 257) और साथ ही ‘वीरता के कार्य किए बिना, वीरता का प्रदर्शन



किए बिना और साहस के साथ इतिहास रचे बिना इतिहास लिखना हमारे समय का एक बुरा स्वप्न है। वीरता को वास्तविकता में बदलने का अवसर न मिलना हमारे लिए खेद का विषय है।’

स्पष्ट था सम्मान- भगत सिंह के लेखन में भी सावरकर के प्रति सम्मान स्पष्ट दिखाई देता है। कोलकाता से निकलने वाले साप्ताहिक ‘मतवाला’ के 15 और 22 नवंबर 1924 के अंक में उनका एक लेख ‘विश्व प्रेम’ शीर्षक से प्रकाशित हुआ था। इसमें वे लिखते हैं- ‘विश्वप्रेमी वह वीर है जिसे भीषण विप्लववादी, कट्टर अराजकतावादी कहने में हम लोग तनिक भी लज्जा नहीं समझते- वही वीर सावरकर। विश्वप्रेम की तरंग में आकर वे घास पर चलते-चलते रुक जाते कि कहीं कोमल घास पैरों तले न मसली जाए।’

यह लेख बलवंत सिंह के छद्म नाम से लिखा गया था। (संदर्भ- भगतसिंह और उनके साथियों के संपूर्ण उपलब्ध दस्तावेज, पृष्ठ संख्या 93, पुनर्मुद्रण मई 2019, राहुल फाउंडेशन, लखनऊ)। ध्यान देने योग्य बात यह है कि जिस समय भगत सिंह ने यह लेख लिखा, उस समय सावरकर रत्नागिरी में नजरबंद थे और उन पर राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा हुआ था।

इसी प्रकार भगत सिंह ने ‘किरती’ नामक प्रकाशन में मार्च 1928 से अक्टूबर 1928 तक ‘आजादी की भेंट शहादतें’ शीर्षक से एक लेखमाला लिखी। इसमें कर्जन वायली की हत्या करने वाले क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा और

यह थीम विज्ञान और समाज के बीच एक सशक्त और आवश्यक सेतु का निर्माण करती है।

समय पर चेतावनी ही वह शक्ति है, जिसने मौसम विज्ञान को जीवन रक्षक बना दिया है। प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली इस अवलोकन प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम है। बीते दशकों में यह सिद्ध हो चुका है कि समय पर दी गई चेतावनी लाखों जानें बचा सकती है। पहले जहां प्राकृतिक आपदाएं अचानक विनाश लेकर आती थीं, वहीं अब उनके आने से पहले ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल जनहानि कम होती है, बल्कि आर्थिक नुकसान भी नियंत्रित रहता है। आधुनिक तकनीक और सटीक डेटा के कारण अब चक्रवात, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाओं का पूर्वानुमान संभव हो गया है। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि सही समय पर सही जानकारी कितनी निर्णायक हो सकती है।

निरंतर प्रगति के साथ भारत में मौसम विज्ञान एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभर रहा है। भारत में मौसम विज्ञान का क्षेत्र तेजी से विकसित हुआ है और यह वैश्विक स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित आधुनिक उपकरण और अनुसंधान केंद्र निरंतर डेटा एकत्र कर रहे हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान किसानों, मछुआरों और आम नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहे हैं। विशेष रूप से आपदा के समय यह तंत्र जीवन रक्षक बन जाता है। भारत न केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित

कर रहा है, बल्कि वैश्विक नेटवर्क में भी सक्रिय योगदान दे रहा है।

विश्व मौसम दिवस हमें व्यक्तिगत स्तर पर भी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है। आज के डिजिटल युग में हर व्यक्ति के हाथ में ऐसी तकनीक है, जिसके माध्यम से वह मौसम की जानकारी प्राप्त कर सकता है और दूसरों तक पहुंचा सकता है। यदि हम समय-समय पर मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान दें, जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक रहें और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करें, तो हम इस वैश्विक प्रयास का हिस्सा बन सकते हैं। यह दिवस हमें यह समझाता है कि सुरक्षित भविष्य केवल सरकारों या वैज्ञानिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

समय की मांग को समझने वाला यह दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि सोच बदलने का सशक्त संदेश है-ऐसा दृष्टिकोण जो वर्तमान के ज्ञान को भविष्य की सुरक्षा में बदलने की क्षमता रखता है। विश्व मौसम दिवस हमें याद दिलाता है कि आज का हर अवलोकन आने वाले कल को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है। जब विज्ञान, तकनीक और जागरूकता एक साथ जुड़ते हैं, तब ऐसा विश्व संभव होता है जहां आपदाएं भय नहीं, बल्कि तैयारी का संकेत बन जाती हैं। यही इस दिवस का सार है कि हम प्रकृति को समझें, उससे सीखें और उसके साथ संतुलन बनाकर एक सुरक्षित, सशक्त और स्थायी भविष्य की ओर आगे बढ़ें।

– प्रो. आरके जैन अरिजौत

सावरकर का उल्लेख करते हुए वे लिखते हैं- ‘रव्देशी आंदोलन का असर इंग्लैंड तक भी पहुंचा और वहां पहुंचते ही श्री सावरकर ने ‘इंडिया हाउस’ नामक सभा की स्थापना की। मदनलाल भी उसके सदस्य बनेज एक दिन रात को श्री सावरकर और मदनलाल ढींगरा बहुत देर तक मशवरा करते रहे।

अपनी जान तक दे देने के साहस की परीक्षा लेने के लिए सावरकर ने मदनलाल से जमीन पर हाथ रखने को कहा और उनके हाथ पर सुआ गाड़ दिया, लेकिन उस पंजाबी वीर ने आह तक नहीं

भरी। सुआ निकाल लिया गया। दोनों की आंखों में आंसू भर आए और वे एक-दूसरे के गले लग गए। आहा, वह समय कितना सुंदर थाज हम दुनियादार लोग क्या जानें कि देश और कौम के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वे लोग कितने ऊंचे, कितने पवित्र और कितने पूजनीय होते हैं!’ (संदर्भ- भगतसिंह और उनके साथियों के संपूर्ण उपलब्ध दस्तावेज, पृष्ठ संख्या 166-168)

शोक में काला ध्वज- 23 मार्च 1931 को जब भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई, तब सावरकर ने उनकी स्मृति में एक कविता लिखी-

‘हा, भगत सिंह, हाय हा! चढ़ गया फांसी पर तू वीर हमारे लिए, हाय हा! राजगुरु तू, हाय हा! वीर कुमार, राक्षसपर में हुआ शहीद, हाय हा! जय जय हा!

रत्नागिरी में सावरकर के घर हमेशा भगवा झंडा फहराया जाता था किंतु भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान के अगले दिन काला झंडा फहराया गया। यह उनके प्रति सावरकर की श्रद्धांजलि का प्रतीक था। भगत सिंह के साथियों- जैसे भगवतीचरण वीरा ने भी अपने लेखन में सावरकर और उनके साहित्य के प्रभाव का उल्लेख किया है। इन संदर्भों का विस्तृत विवरण ‘भगतसिंह और उनके साथियों के संपूर्ण उपलब्ध दस्तावेज’ में है।

–धनंजय राजौरा

ट्रंप की मनमानी, अहंकार के चलते विश्व को संकट की ओर धकेला



सुरक्षा के लिए अपनी नौसेनाएं भेजें। इससे ट्रंप अलग-थलग पड़ते दिख रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तो उन्हें ऐसे शासनाध्यक्ष के रूप में देखा जा रहा है, जिसने विश्व को संकट की ओर धकेल दिया। इसके साथ ही घर में भी उनका विरोध बढ़ रहा है। ईरान जवाबी हमले करने के साथ जिस तरह खाड़ी के देशों में ऊर्जा ठिकानों को निशाना बना रहा है, उससे साफ है कि उसका इरादा ऊर्जा संकट बढ़ाना है। अमेरिका इस संकट को कम करने में सक्षम नहीं दिख रहा। इसके बाद भी राष्ट्रपति ट्रंप का अहंकारपूर्ण रवैया जारी है। वे ऐसे सवालों से घिर रहे हैं कि अमेरिकी संसद की मंजूरी लिए बिना उन्होंने ईरान पर किस अधिकार से हमला कर दिया? उनके एक शीर्ष अधिकारी ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि ईरान से अमेरिका को कोई खतरा नहीं था और वह परमाणु बम बनाने के करीब भी नहीं था। यह पहली बार नहीं, जब अमेरिका ने किसी देश पर हमलेने तरीके से हमला किया हो अथवा वहां जबरन सत्ता परिवर्तन कराने की कोशिश की हो।

अमेरिकी राष्ट्रपतियों के ऐसे कृत्यों का एक लंबा इतिहास है। वियतनाम से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया आदि में अमेरिका के हमले उसकी मनमानी को ही परिचायक रहे। दूसरे देशों में अमेरिका के कुछ हमलों को तो इसलिए वैधता मिली, क्योंकि या तो संयुक्त राष्ट्र ने उस देश की गतिविधियों की आलोचना करते हुए उसे विश्व शांति के लिए खतरा बताया या फिर नाटो देशों अथवा यूरोपीय संघ ने संबंधित देश में दखल देने की जरूरत जाई। ऐसे अनेक हमलों के पीछे अमेरिका ने आत्मरक्षा के अधिकार की आड़ ली या फिर संबंधित देश में जनसंहार होने अथवा वह जनसंहारक हथियार होने का खतरा दिखाया।

अमेरिका ने कुछ ऐसे कानून बना रखे हैं, जो उसे किसी अन्य देश में आत्मरक्षा के नाम पर सैन्य हस्तक्षेप करने का अधिकार देते हैं। एक ऐसा ही कानून 9/11 के बाद बना था। इसे सैन्य बल उपयोग प्राधिकरण नाम से जाना जाता है। ट्रंप ने इसी कानून का सहारा लेकर ईरान पर हमला किया। उन्होंने इस हमले को सही ठहाने के लिए राष्ट्रपति की युद्ध शक्तियों का हवाला दिया। इसे कई कानूनी विशेषज्ञ अवैध बता रहे हैं, पर

ट्रंप बेपरवाह है।

अमेरिकी राष्ट्रपति सेना के सर्वोच्च कमांडर होते हैं, लेकिन युद्ध की औपचारिक घोषणा करने का अधिकार संसद के पास है। राष्ट्रपति आपातकालीन स्थिति में बिना उसकी स्वीकृति के कई पर सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं, पर उन्हें 48 घंटे के भीतर संसद को सूचित करना होता है और यदि वह से मंजूरी न मिले तो 60-90 दिनों के भीतर सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ती है। समस्या यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास संसद के फैसले को वीटो करने का भी अधिकार है। संसद इस वीटो को पलट तो सकती है, पर दो तिहाई बहुमत के साथ।

अमेरिकी विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र में से एक है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति अपने जरूरत से ज्यादा अधिकारों का दुरुपयोग कहीं आसानी से करने में समर्थ हो जाते हैं और जब वहां ट्रंप जैसा अहंकारी राष्ट्रपति आ जाता है तो वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा बन जाता है। इस पर खुद अमेरिका को विचार करना चाहिए कि आखिर इतना शक्तिसंपन्न राष्ट्रपति उसके अपने कितने हित में है? अमेरिकी राष्ट्रपति जब-तब किसी भी देश पर आर्थिक प्रतिबंध लगा देते हैं।

इसी तरह वे किसी भी देश के आयात पर प्रशासनिक आदेशों के सहारे मनमानी टैरिफ लगा देते हैं। यह तो गनीमत रही कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप टैरिफ को अवैध करार दिया, पर वे अन्य तरीकों से फिर से विभिन्न देशों पर टैरिफ लगाने के बहाने खोज रहे हैं। ऐसा करके वे अपनी तानाशाही मानसिकता का ही परिचय दे रहे हैं।

चूँकि अमेरिका सैन्य और आर्थिक रूप से सबसे शक्तिशाली देश है, इसलिए वह मनमानी करने में समर्थ रहता है। दूसरे देशों पर सैन्य दखल या फिर जबरन सत्ता परिवर्तन के मामले में उसका रवैया तानाशाही वाला है। ट्रंप ने अभी हाल में जिस तरह वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति का अपहरण किया, वह तानाशाही कृत्य के अलावा और कुछ नहीं।

इसी तरह उन्होंने जब ग्रीनलैंड कब्जाने की धमकी दी, तो वह भी उनके मनमानेपन का ही परिचायक थी। पिछले दिनों क्यूबा पर कब्जा करने की उनकी धमकी भी मनमानी ही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ऐसी मनमानी दिखाने में इसीलिए समर्थ हो जाते हैं, क्योंकि सिंधिधान से उसे आवश्यकता से अधिक अधिकार मिले हुए हैं। यह स्थिति न तो अमेरिकी लोकतंत्र के लिए शुभ है और न ही विश्व व्यवस्था के लिए।

–सुनील कुमार महला

कर्मशियल गैस की आपूर्ति बंद, होटल व्यवसाय हो रहा प्रभावित

कुछ होटलों पर लगा ताला, कई लोग लेने लगे भट्ठी का सहारा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कर्मशियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति फिलहाल बंद है। जिसका असर नगर के होटल व्यवसाय पर दिखाई दे रहा है। कुछ लोगों ने आपूर्ति होने तक के लिए व्यवसाय बंद कर दिया है तो कुछ लोगों ने पारंपरिक भट्ठी को अपना सहारा बना लिया है। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति बनी हुई है, लेकिन इसकी भी घर पहुंच सेवा फिलहाल बंद पड़ी हुई है। जिसके कारण घरेलू गैस सिलेंडर के लिए भी लोगों को फिलहाल परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कर्मशियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित होने से होटल व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुआ है। गैस की कमी के कारण कई होटल संचालक लकड़ी से चलने वाली भट्ठियों पर खाना बनाने को मजबूर हैं, जबकि कुछ प्रतिष्ठानों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। कर्मशियल गैस की कमी के चलते शहर के कई होटलों



कटौती करने को मजबूर होना पड़ रहा है जो बमुश्किल ही सिलेंडर का जुगाड़ कर पा रहे हैं। बस स्टैंड स्थित अशोक उपहार गृह के संचालक रामकृष्ण भावसार ने बताया कि पहले वे रोजाना लगभग 10 किलो पोहा तैयार करते थे, लेकिन अब गैस न मिलने के कारण केवल 3 किलो पोहा ही बन पा रहा है। वहीं काकाजी नमकीन संचालक गिरीश भावसार ने बताया कि उन्होंने भी नाश्ता पाईंट

ही चालू किया हुआ है। उन्हें चाय का काउंटर भी बंद करना पड़ा है। वहीं, शहर का गंगा होटल रेस्टोरेंट कर्मशियल गैस न मिलने के कारण फिलहाल बंद है। होटल संचालक संजय ठाकुर ने कहा कि गैस उपलब्ध न होने से होटल का संचालन संभव नहीं है। कई जगह एहतियात के तौर पर डीजल भट्ठी और इलेक्ट्रॉनिक भट्ठी से काम चलाया जा रहा है।

खाना खाकर सोया कर्मचारी

सुबह मृत मिला कर्मचारी



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सुनेरा थाना क्षेत्र स्थित धारिया होटल में एक कर्मचारी का शव सड़िध अवस्था में मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए जिला

अस्पताल शाजापुर भेजा गया।

सुनेरा थाना प्रभारी अंकित मुकाती ने बताया कि मृतक की पहचान 40 वर्षीय सीताराम सीता पर्वत के रूप में हुई है, जो होटल में कर्मचारी था। रविवार दोपहर करीब 1 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। होटम कर्मचारियों के अनुसार सीताराम शनिवार शाम खाना खाने के बाद सोने चला गया था। रविवार सुबह जब उसके सहकर्मी उसे जगाने पहुंचे, तो वह मृत अवस्था में पाया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

अंश मीणा ने बढ़ाया क्षेत्र का गौरव



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय प्राथमिक विद्यालय ग्राम जिनवानी के होनहार, मेधावी एवं प्रतिभाशाली छात्र अंश मीणा (पुत्र श्री दिनेश मीणा) ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का लोहा मनवाया है। चंद्रकेसर बांध स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित कर अंश ने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र और गांव का नाम रोशन कर दिया। इससे पहले भी अंश प्रतिष्ठित सैनिक स्कूल की परीक्षा क्वालीफाई कर अपनी अद्वितीय क्षमता का प्रमाण दे चुका है। अंश की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मीणा नवोदय कोचिंग के संचालक दादाजी मांगीलाल सीरा, सुनील पटेल मंडल अध्यक्ष , ओम गोमलाडू, गोविंद बारवाल, कमल सिसोडिया, राजेंद्र सिसोडिया, दिलीप पटेल, रमेश मीणा, डॉ. महेंद्र मीणा, डॉ. धर्मेन्द्र मीणा, पिंटू सीरा, विकास खोलवाल, आनंद जारेड़ा सहित समस्त समाजजन एवं ग्रामवासी अत्यंत उत्साहित दिखे। गांव में जगह-जगह आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया गया और सभी ने अंश को उज्ज्वल भविष्य की ढेरों शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अंश की सफलता क्षेत्र के उन सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है जो कठिन परिश्रम एवं लगन से बड़ी उपलब्धियां हासिल करने का सपना देखते हैं।

पाप करना छोड़ दो पुण्य करने की जरूरत नहीं पड़ेगी - महामंडलेश्वर भास्करानंद जी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अधर्म के द्वारा अर्जित संपत्ति शांति का नाश करती है पवित्रता से क्माए धन धर्म में लगाने से कलगुण का क्षीण होता है। भगवान को भोग लगने वाला भोजन प्रसाद हो जाता है उसमें पवित्र गुण विकसित होने के कारण वो तन मन को शुद्ध करते आप में श्रेष्ठ आचारों का समावेश करता है। हम अच्छे गुरु की तलाश में रहते है किंतु जब अच्छे शिष्य बन जाओगे तो तुम्हें अच्छा गुरु नारायण के रूप मेंल जाओगे।



परीक्षित के कौश मार्ग प्रशस्त के लिए शुक्रदेव मुनि जैसे संत का मिलना ही नारायण की कृपा थी परीक्षित अर्थात जिसके चारों ओर परीक्षा परीक्षा है वो हर इसान परीक्षित है। बिना गुरु के न तो हरि कृपा प्राप्त होती है नहीं मोक्ष का रास्ता दिखाई देता है। भक्ति की प्राप्ति के तीन चरण है श्रवण, कीर्तन और ध्यान। जगत और जगदीश दोनों की महिमा

बकाया राजस्व वसूली सख्ती से हो-आयुक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम राजस्व वसूली की टीम द्वारा राजस्व बकाया करों की वसूली शक्ति से की जाएगी। बकाया राजस्व को लेकर आयुक्त दलीप कुमार ने निगम अधिकारी की टीम को निर्देशित करते हुए कहा है कि लोक अदालत में जिन बकायादारों ने अपने संपत्ति कर जल कर जमा नहीं किए हैं उनसे संपर्क कर बकाया कर जमा कर्वाएं।

बकाया करों की वसूली में कार्रवाई- वार्ड क्रमांक 28 में शरद त्रेहन पर 2 लाख 18 हजार से अधिक बकाया राशि, वार्ड क्रमांक 17 आदम हाजी कासम पर 72 हजार से अधिक बकाया संपत्ति कर, वार्ड क्रमांक 24 दिलशाद खान 2 लाख 46 हजार से अधिक, संपत्ति कर बकाया होने पर दुकान पर तालाबंदी, वार्ड 31



अब्दुल रहीम खान पिता अब्दुल करीम खा हस्ते जाहिद हुसैन अहमद हुसैन पर 52 हजार से अधिक राशि संपत्ति कर बकाया होने पर कुर्की की कार्रवाई के दौरान एक्टिवा गाड़ी जप्त की नोटिस - शासन के निर्देश अनुसार 1 अप्रैल से बकाया संपत्ति कर की राशि जमा नहीं करने पर दोगुनी राशि हो जावेगी। - नगर निगम द्वारा अवकाश के दिनों में भी संपत्ति कर और जलकर के काउंटर खुले रहेंगे। - लोक अदालत में जिन बकायादारों ने अपना संपत्ति कर जमा नहीं किया है अब उनसे सख्ती से वसूली की जावेगी।

नगर निगम आयुक्त की अपील - नगर निगम आयुक्त ने बकाया करदाताओं से अपील की है कि वह अपना बकाया संपत्ति कर जलकर 31 मार्च के पहले जमा कर कुर्की एवं दुकान तालाबंदी जैसी अप्रिय कार्रवाई से बचें।

कटौती करने को मजबूर होना पड़ रहा है जो बमुश्किल ही सिलेंडर का जुगाड़ कर पा रहे हैं। बस स्टैंड स्थित अशोक उपहार गृह के संचालक रामकृष्ण भावसार ने बताया कि पहले वे रोजाना लगभग 10 किलो पोहा तैयार करते थे, लेकिन अब गैस न मिलने के कारण केवल 3 किलो पोहा ही बन पा रहा है। वहीं काकाजी नमकीन संचालक गिरीश भावसार ने बताया कि उन्होंने भी नाश्ता पाईंट ही चालू किया हुआ है। उन्हें चाय का काउंटर भी बंद करना पड़ा है। वहीं, शहर का गंगा होटल रेस्टोरेंट कर्मशियल गैस न मिलने के कारण फिलहाल बंद है। होटल संचालक संजय ठाकुर ने कहा कि गैस उपलब्ध न होने से होटल का संचालन संभव नहीं है। कई जगह एहतियात के तौर पर डीजल भट्ठी और इलेक्ट्रॉनिक भट्ठी से काम चलाया जा रहा है।



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी का मौसम शुरू होते ही आगजनी की घटनाएं भी बढ़ने लगी हैं। पिछले दो दिनों से आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। जिसका कारण शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। रविवार को भी ग्राम दिल्लीद में खेतों में आग लगने से खेत मालिक को लाखों का नुकसान उठाना पड़ा। वहीं एक युवक की बाईक भी आगजनी की भेंट चढ़ गई।

घटना रविवार दोपहर 3 से 4 बजे के बीच हुई। जब गेहूं के खेत में आग लग गई। इस घटना में धीरज सिंह की करीब तीन बीघा गेहूं की फसल और आयुष सिंह निवासी दिल्लीद नाटकेरकी की बाइक जलकर खाक हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही डायल 112 टीम के आरक्षक

लाखन सिंह और पायलट कमलेश बड़कनिया मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया, जिसने पहुंचकर आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग 11 केवी लाइन में फॉल्ट के कारण लगने की आशंका जताई जा रही है। वहीं रविवार को ही मोहन

रोजगार मेलों से संवर रहा युवाओं का भविष्य, लेजर लैंड लेवलर से किसान होंगे लाभान्वित

रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ रहे युवा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासन के निर्देशानुसार सीहोर जिले में रोजगार विभाग, उद्योग विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा प्रतिमाह रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। ये रोजगार मेलों न केवल युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं, बल्कि उन्हें स्वरोजगार की दिशा में भी अग्रसर होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इन रोजगार मेलों में विभिन्न निजी कंपनियां साक्षात्कार के माध्यम से युवाओं का चयन करती हैं, वहीं स्वरोजगार से संबंधित विभागों द्वारा योजनाओं के स्टॉल लगाकर युवाओं को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है। साथ ही, युवाओं को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराकर स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए



प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी पहल का सकारात्मक परिणाम 17 मार्च को आयोजित रोजगार मेले में देखने को मिला, जहां सीहोर के युवा मयंक गौर ने स्वरोजगार की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया। मयंक ने मेले में लगाए गए

स्टॉलों पर उद्यम क्रांति योजना एवं पीएमएफएमई योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्हें यह जानकारी उत्साह मिला कि इन योजनाओं के माध्यम से बेहद सरल शर्तों पर ऋण प्राप्त कर अपना व्यवसाय शुरू किया जा सकता है।

मयंक पहले भी रोजगार मेले का लाभ उठा चुके हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में आयोजित रोजगार मेले के माध्यम से उन्हें पीएमएफएमई योजना के तहत ऋण प्राप्त हुआ था, जिससे उन्होंने सफलतापूर्वक अपना पोस्ट्री फार्म स्थापित किया। आज उनका व्यवसाय निरंतर प्रगति कर रहा है और अब वे अपनी प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं।

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि विज्ञान केंद्र प्रखेत्र में फार्म डेवलपमेंट अंतर्गत 21 मार्च एवं 22 मार्च 2026 को उन्नत कृषि यंत्र लेजर लैंड लेवलर का प्रदर्शन किया गया है। किसान भाई कृषि विज्ञान केंद्र शाजापुर आकर इस उन्नत कृषि यंत्र का प्रदर्शन देख सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ. एसएस धाकड़ ने बताया कि यह आधुनिक कृषि यंत्र भूमि को समतल करने की सबसे प्रभावी तकनीक है जो कि लेजर-गाइडेड तकनीक पर काम करता है। इसमें लेजर ट्रांसमीटर (लेजर किरणें भेजने वाला), रिसीवर, कंट्रोल बॉक्स और बकेट (मिट्टी हटाने वाला ब्लेड) मुख्य भाग होते हैं। लेजर लैंड लेवलर ट्रांसमीटर से



लेजर किरणें निकलती हैं, जो रिसीवर द्वारा प्राप्त की जाती हैं। कंट्रोल बाक्स के माध्यम से यह मशीन स्वचालित रूप से खेत की ऊंची और नीची जमीन का पता लगाकर मिट्टी को सही जगह फैलाती है। डॉ. धाकड़ लेजर लैंड लेवलर के फायदे बताते हैं कि इस तकनीक से समतल खेत में पानी समान रूप से बंटता है, जिससे सभी पौधों को एक समान पानी मिलता है एवं 20-30 प्रतिशत सिंचाई पानी की बचत होती

मशीन बहुत कम समय में सटीक लेवलिंग करती है, जिससे ट्रैक्टर के ईंधन और लेबर की लागत कम होती है। जमीन लेवल पर होने से कोई भी कृषि कार्य एवं कृषि क्रियाएं, जैसे- खेत की तैयारी, खेत की बुवाई या फसल कटाई आसानी से हो जाती है। समतल खेत के कारण पानी और पोषक तत्व पूरे खेत में समान रूप से वितरित होते हैं, जिससे फसल की पैदावार में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

सांसारिक आनंद मृगतृष्णा के समान मिथ्या है - साध्वी प्रभावती देवी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आत्मज्ञान से सांसारिक विषयों में स्वाभिमूल और निर्धन्रण की शक्ति आती है। भौतिक सुखों की,रथ के उन घोड़े से तुलना की जा सकती है,जिनमें यदि आत्मज्ञान की लगाम न लगी हो तो वह सवारसमेत रथ को किसी विनाश के गड्डे में ही ले जा पटकेंगे। मनुष्य का वांछनीय आनंद वस्तुतः आध्यात्मिक आनंद ही है, जबकि लोग उसे भूलकर सांसारिक सुख को खोजने और पाने में लग जाते हैं। सांसारिक आनंद मृगतृष्णा के समान मिथ्या और अतुलिकर होता है,पर आध्यात्मिक आनंद अथवा आत्मिक आनंद सत्य और वास्तविक होता है। इसे पाने पर आनंद की इच्छा पूर्ण रूप से तृप्त



होकर तिरोधान हो जाती है। अतः मनुष्य को सच्चे सुख और संपूर्ण तृप्ति के लिए आध्यात्मिक आनंद ही प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। बुद्धिमान व्यक्ति को चाहिए कि वह समय रहते सावधान हो जाए और जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आज और अभी से ही

चल पड़े। कौन जाने कल क्या होगा और फिर कल को किसने देखा है बाद में पश्चात के सिवाय कुछ भी हाथ लगने वाला नहीं है। ये प्रेरणादाई सत्संग विचार बालाजी नगर स्थित मानव धर्म मंदिर में आयोजित साप्ताहिक सत्संग समारोह में सतपाल महाराज की शिष्या प्रभावती देवी ने रखते हुए कहा बुद्धिमान व्यक्ति को चाहिए कि जब तक शरीर स्वस्थ और निरोग है,जब तक बुढ़ापा दूर है,जब तक इंद्रियां खबल तथा सखम है और जब तक जीवन शक्ति का क्षय नहीं हुआ है, तभी वह आत्म कल्याण का यथासाध्य प्रयास कर ले, क्योंकि मकान में आग लग जाने पर कुओं खोदने का कार्य प्रारंभ करने से क्या लाभ मानव जीवन केवल कुछ क्षणों

के लिए ही है। समझ में नहीं आता इस अल्प अवधि में हम क्या करें। साध्वी जी ने उपस्थित अध्यात्म प्रेमियों को संबोधित करते हुए अपनी ओजस्वी वाणी में कहा संसार की मृगतृष्णा में मत भटकओ और हो सके तो अब अपने कल्याण के लिए तत्पर हो जाओ। या तो संतो की सेवा करो या सद्गुरु के ज्ञान गुण का वर्णन सत्संग करो। तुम्हारे पैरों में काल की रस्सी बंधी है, माया में सुख चौन मानकर तुम कहाँ सो रहे हो, श्वास रूपी नागड़ा रात-दिन बज रहा है,सावधान हो जाओ। रात को सोने में और दिन को खाने में समाप्त कर दिया। अनमोल हीरा सा मनुष्य जन्म मिला था, परंतु विषय-कौड़ी के बदले में जा रहा है।

पानी पी रही भेड़ों पर टूट पड़ा मधुमक्खियों का झुंड, 24 की मौत



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के शुजालपुर के पास स्थित ग्राम सलकनखेड़ी में 24 भेड़ों की जान मधुमक्खियों के काटने से चली गई। इस घटना में दो चरवाहा भी घायल हुआ है जिसे उपचार के लिए शुजालपुर और वहां से सिहोर

रैफर किया गया है। घायल चरवाहे की पहचान हड़तीगा राम पिता रूपजी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से ग्राम कांबा, तहसील आहोर, जिला जालौन (राजस्थान) का निवासी है। वह अपने साथियों के साथ मध्य प्रदेश में करीब 350 भेड़ों के झुंड के साथ आया हुआ था। घटना में उसका एक अन्य साथी भी घायल बताया जा रहा है। घटना उस समय हुई जब भेड़ों का झुंड को चरवाहे जंगल में चरा रहे थे। तभी प्यास लगने पर भेड़ें पास के तालाब में चरने गईं। तभी अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिससे एक-एक कर भेड़ें बेसुध होकर गिरने लगी और उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही तिलावात पुलिस चौकी और पशु चिकित्सक की टीम मौके पर पहुंची। मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम कर आवश्यक कार्रवाई की गई। चौकी प्रभारी घनश्याम बैरागी ने बताया कि घटना की सूचना पर तत्काल मौके का मुआयना कर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई गई। पीड़ित चरवाहे ने बताया कि यह उनके लिए दूसरी बड़ी त्रासदी है। इससे पहले भी 220 भेड़ों की मौत हो चुकी है और अब 24 भेड़ों के मरने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद चरवाहा समूह को भारी नुकसान हुआ है चरवाहे समूह ने शासन मुआवजे की मांग की है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर 24 मार्च को होंगे विद्यारंभ प्रमाण पत्र एवं ग्रेजुएशन सेरेमनी कार्यक्रम

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में 5 से 6 वर्ष के पंजीकृत बच्चों के लिए 24 मार्च 2026 को विद्या आरंभ प्रमाण पत्र एवं ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश खरे ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन समारोहपूर्वक किया जाएगा। इसमें अर्जीम प्रेमजी फाउंडेशन, रॉकेट लॉर्निंग और पीरामल फाउंडेशन जैसी सहयोगी संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाएगा। समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्राथमिक शालाओं के शिक्षकों एवं अभिभावकों को आमंत्रित कर उनके माध्यम से बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित कराए जाएंगे। प्रमाण पत्र 10 अंकों का होगा, जिसमें प्रारंभिक 4 अंक आंगनबाड़ी कोड, अगले 4 अंक बच्चे की आईडी तथा अंतिम 2 अंक संबंधित वर्ष को दर्शाएंगे।

उन्नत कृषि का प्रदर्शन कर किसानों को सिखाई नई तकनीक

94 लाख से अधिक के विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमि पूजन संपन्न

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा के ग्राम भोमलवास, ग्राम दंगवाड़ा एवं ग्राम पंचायत दौलतपूर के ग्राम सोहड़ में बड़नगर विधानसभा 218, के जनप्रिय विधायक श्री जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या द्वारा 94 लाख से अधिक की लागत के विकास कार्यो का भूमि पूजन मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। जिसमे ग्राम पंचायत भोमलवास में लोकार्पण आंगनवाडी क्रमांक 01 में 11 लाख 22 हजार का निर्माण, शांतिधाम पहुंच मार्ग पर सीसी निर्माण 15 लाख रूपये, मेन रोड से हनुमान मंदिर तक सीसी निर्माण 2 लाख कुल लागत राशि 28 लाख 22 हजार एवं ग्राम दंगवाड़ा में सीसी निर्माण 8 लाख, सामुदायिक भवन का लोकार्पण राशि 20 लाख रूपये, कुल लागत राशि 28 लाख इसी प्रकार ग्राम पंचायत दौलतपूर के ग्राम सोहड़ में सीसी निर्माण लागत 8 लाख



रूपये, सोसायटी में सीसी निर्माण लागत 4 लाख रूपये, सीसी निर्माण तेजाजी चोक में लागत राशि 6 लाख, सभा मंडप व पेवर ब्लाक लागत राशि 12 लाख, सीसी रोड

अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निर्मला उमराबसिंह राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अंतरसिंह देवड़ा जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजबसिंह

निर्माण शिव मंदिर 13 लाख रूपये, सामुदायिक भवन निर्माण 15 लाख रूपये कुल लागत राशि 58 लाख का भूमि पूजन एवं लोकार्पण संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विधायक श्री पण्ड्या ने कहा की बड़नगर तहसील में सतत विकास भाजपा सरकार का लक्ष्य है। जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हमारी पहली प्राथमिकता है। भाजपा की सरकार जनता की सेवा के लिये ही है।

भूमि पूजन एवं लोकार्पण के अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निर्मला उमराबसिंह राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अंतरसिंह देवड़ा जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजबसिंह

देवड़ा, श्रीमती श्यामुबाई जनपद सदस्य नागेश्वर मारू, जिला पंचायत सदस्य मांगीलाल मोहरी, बड़नगर नगर अध्यक्ष नवीन राठोड़, बड़नगर ग्रामीण अध्यक्ष महेश हारोड़, महामंत्री राहुल यादव, भाजपा ग्रामीण उपाध्यक्ष अनिल प्रजापत भूपेन्द्रसिंह पण्ड्या, गोवर्धनसिंह पटेल, दिलीपसिंह रणावत, रामप्रसाद पण्ड्या, इन्द्रपाल पण्ड्या, बद्रीलाल रावल, शिवराम जाट, रमेशचन्द्र पण्ड्या, विजेन्द्र चावड़ा, वर्षा अंकित पाटोदी, मांगीलालजी हारोड़ आदि विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस अवसर पर मधुसूदन पण्ड्या, भादरसिंह गुर्जर, ललताप्रसाद शुक्ला, अन्तरसिंह पण्ड्या, भोमसिंह, रामकृष्ण, श्यामलाल, सुभाष, रवि रावल, बबलू गुर्जर, नागेश्वर गुर्जर, विजय प्रजापत, श्रीमती सरेकुवर उमरावसिंह गुर्जर, हीराबाई राधेश्याम चौधरी, ईश्वरसिंह सिसोदिया सरपंचाण व उपसरपंच पंचायत सचिव, सहायक सचिव व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

ग्राम खेड़ा में दो दिवसीय गणगौर उत्सव का समापन



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम खेड़ा में गणगौर माता तीज बड़े धूमधाम से पर्व मनाया गया। दो दिवसीय इस आयोजन में 200 से अधिक घर में जवारे के साथ गौर माताजी खड़ी की गई। गणगौर तीज पर्व विवाहित महिलाओं द्वारा पति की लंबी आयु अखंड सौभाग्य और परिवार सुख समृद्धि के लिए मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्यौहार है इसमें माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है। प्रथम दिवस शनिवार को

सभी महिलाएं माताजी को अपने अपने घर से अपने सिर पर उठाकर नाच गान के साथ गांव में भ्रमण करते हुए पुनः अपने घर पर लाकर रात्रि में मांगलिक गीत का गायन किया जाता है। द्वितीय दिवस रविवार सुबह माताजी को चावल, शकर,घी से धूप के साथ हलवा भोग की प्रसादी का भोग लगाया गया। दोपहर 3 बजे बैद बाजे के साथ सामूहिक रूप से सभी महिलाएं अपने अपने घर से माताजी को सिर पर उठाकर मंदिर चोक पर एकत्रीकरण हुआ जहां सभी मातृशक्ति क्रमबद्ध नाचते हुए पूरे गांव का भ्रमण करते हुए छोटे तालाब के सामने पाटीदार समाज सामूहिक स्थल पर पहुंची जहां सभी गौर माताजी को क्रमबद्ध लाइन से बिठाकर माताजी को उपस्थित सभी महिलाओं द्वारा चावल भोग लगाकर पानी पिलाया गया। उसके पश्चात जवारे को छोटे तालाब में विसर्जन कर अपने अपने घर से माताजी की विदाई कर रात्रि में विदाई गीत का गायन किया गया। जुलूस में महिलाएं बच्चे सहित ग्रामीण सहित युवा शामिल थे अंत में पाटीदार समाज के युवाओं द्वारा सल्फहार हर की व्यवस्था की गई।

पुस्तक मेला की तैयारियों जोर-शोर से जारी, अधिकारियों की जिम्मेदारी तय

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूली बच्चों एवं अभिभावकों को प्रतिस्पर्धी एवं न्यूनतम दरों पर पाठ्य पुस्तकें, कॉपीया और गणवेश उपलब्ध कराने जिला प्रशासन द्वारा 25 मार्च से 5 अप्रैल तक गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक परिसर में लगाये जा रहे पुस्तक मेला की तैयारियों जोर-शोर से जारी है। पुस्तक मेला का यह लगातार तीसरा आयोजन है। ज्ञात हो कि निजी स्कूलों, प्रकाशकों एवं पुस्तक विक्रेताओं की सांठगांठ से छात्रों और उनके अभिभावकों को राहत दिलाने प्रदेश में पुस्तक मेले के आयोजन की शुरुआत वर्ष 2024 में जबलपुर जिले से ही हुई थी। देश भर में इसकी काफी चर्चा हुई और इसे काफी सराहना मिली तथा इसे प्रदेश के कई जिलों ने भी अपनाया। पुस्तक मेला में पिछले वर्ष की तरह इस बार भी बुक बैंक का स्टॉल



लगाया जायेगा। जहां विद्यार्थी, उनके अभिभावक एवं नागरिक पिछले वर्ष की पाठ्य पुस्तकें दान में दे सकेंगे। यह पुस्तकें रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से नाम मात्र के शुल्क पर जरूरतमंद विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जायेगी। मेले में पाठ्य पुस्तकों, कॉपियों, यूनिफार्म, स्कूल बैग एवं अन्य शैक्षणिक सामग्रियों के स्टॉल के अलावा व्यंजनों के स्टॉल भी लगाये जायेंगे। मेले में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जायेगा। पुस्तक मेला के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर राधेवेन्द्र सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की है।

लोकायुक्त प्रकरण में आयुष विभाग की सहायक ग्रेड-2 निलंबित



झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त कार्यालय इंदौर द्वारा दर्ज प्रकरण के आधार पर कार्यवाही करते हुए जिला आयुष कार्यालय झाबुआ में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 श्रीमती रत्नापर्व पंवार पति श्री नरेन्द्रसिंह पंवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। लोकायुक्त कार्यालय इंदौर द्वारा अपराध क्रमांक 0/7/2026 के अंतर्गत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधन) निम्न 2018 की धारा 7 के तहत श्रीमती पंवार के विरुद्ध प्रकरण प्रसीबद्ध किया गया है। उक्त प्रकरण के आधार पर कलेक्टर नेहा मीना द्वारा यह निलंबन कार्यवाही की गई है। निलंबन अवधि के दौरान श्रीमती पंवार का मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय, जिला झाबुआ नियत किया गया है। साथ ही, उन्हें शासन के नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या संलिप्तता पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक भंवरसिंह शेखावत के मार्गदर्शन में बाबूजी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में मुकाबले जारी है। आंधी आए या तुफान, बारिश हो या गर्मी मैदान पर खिलाड़ियों को जोश व जुनून देखने को मिलता है। 1 दिन पहले हुई जोरदार बारिश के बावजूद विधायक जी की टीम व कार्यकर्ताओं ने मैदान को पुनः तैयार कर दिया। दुधिया रोशनी में रोजाना 8-10 मुकाबले देर रात तक खेले जाते हैं। विधानसभा क्षेत्र की टीमों के बीच हो रहे मुकाबलों का घर बैठे युरैयुब पर भी लाखों खेल प्रेमी लुत्फ उठाते हैं। शनिवार को नॉक आउट मुकाबले में संघ आर्मी ने रघुनंदन कंपनी सनोली को 27 रन से शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनायी।

बाबूली प्रीमियर लीग प्रतियोगिता में मेन ऑफ द



मैच एवं खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में आर्यवत पत्रकार संघ में नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष धमेन्द्र अग्निहोत्री, स्वतंत्र प्रेस क्लब बदनावर नवनियुक्त अध्यक्ष मनीष शर्मा, सचिव विनय पाटीदार, संरक्षक दिलीपसिंह चौहान, महेश पाटीदार,



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर जिला इंदौर -जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत देपालपुर विकासखंड के स्वर्गीय भागीरथ जी सिलावट महाविद्यालय देपालपुर में जनअभियान परिषद के द्वारा जल संवर्धन हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन। जल शक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत जल संगोष्ठी का आयोजन। जनअभियान परिषद द्वारा गठित प्रस्फुटन समितियों एवं सीएमसीएलडीपी छात्रों के साथ संपन्न होने वाले तीन चरणों की रूपरेखा के बारे में उपस्थित प्रतिभागियों को जानकारी दी। प्रथम

चरण में धरती माता का पूजन,वृक्ष पूजन,जल स्त्रोतों का पूजन,प्रभात फेरी, जल मंदिर की स्थापना करना। संगोष्ठी में जल संवाद,एवं जल बचाने हेतु शपथ कर्वाई। जल संवाद करते हुए। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं जानकारी सुरेशचंद्र यादव विकासखंड समन्वयक देपालपुर ने रखी। जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाड़े ने कहा कि जल

है तो कल है। पानी और पेड़ बचाने का प्रण लेना है। सरकार का संदेश गांव गांव तक पहुंचाने का काम जनअभियान परिषद कर रहा है। जन अभियान परिषद इसके माध्यम से गांव-गांव में गठित प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। कार्यक्रम में षष्ठ्यस्रश्च छात्र, मेंटर गोविंद चौहान, सेठी डोडिया, विपिन व्यास, भूरालाल छाड़िया उपस्थित रहे। सामूहिक शपथ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मेंटर हरिओम दुबे ने किया एवं आभार सेठी डोडिया ने माना। यह जानकारी विकासखंड समन्वयक सुरेशचंद्र यादव ने दी।

खेल से राजनीती का गहरा नाता- खेल हेतु बड़ी राशि खर्च करने का साहस राजनेता कर सकते हैं- धमेन्द्र अग्निहोत्री

आंधी आए या तुफान, बारिश हो या गर्मी, मैदान पर खिलाड़ियों को जोश व जुनून जारी है

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक भंवरसिंह शेखावत के मार्गदर्शन में बाबूजी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में मुकाबले जारी है। आंधी आए या तुफान, बारिश हो या गर्मी मैदान पर खिलाड़ियों को जोश व जुनून देखने को मिलता है। 1 दिन पहले हुई जोरदार बारिश के बावजूद विधायक जी की टीम व कार्यकर्ताओं ने मैदान को पुनः तैयार कर दिया। दुधिया रोशनी में रोजाना 8-10 मुकाबले देर रात तक खेले जाते हैं। विधानसभा क्षेत्र की टीमों के बीच हो रहे मुकाबलों का घर बैठे युरैयुब पर भी लाखों खेल प्रेमी लुत्फ उठाते हैं। शनिवार को नॉक आउट मुकाबले में संघ आर्मी ने रघुनंदन कंपनी सनोली को 27 रन से शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनायी।

सिहोरा में जल शक्ति से नव भक्ति का शंखनाद: सैकड़ों हाथों ने मिलकर संवारा प्राचीन रामसागर तालाब

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान ने अब जन आंदोलन का रूप ले लिया है। इसी कड़ी में रविवार को विश्व जल दिवस के विशेष अवसर पर जबलपुर जिले के सिहोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोसलपुर में सेवा

और श्रमदान का अनूठा संगम देखने को मिला। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में यहाँ के ऐतिहासिक रामसागर तालाब के कायंकल्प के लिए जल शक्ति से नव भक्ति अभियान के तहत वृद्ध सफाई अभियान चलाया गया। इस पुनीत कार्य का शुभारंभ तट पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भगवान

भोलेनाथ के पूजन-अर्चन और तालाब में चुनरी व नारियल भेंट कर किया गया। परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त और कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय नवांकुर संस्था पौराणिक अद्भुत विद्या शोध संस्थान सहित विभिन्न प्रस्फुटन

समितियों, जनप्रतिनिधियों और मातृशक्ति ने बहु-चक्रर हिस्सा लिया। कभी जलकुंभी, कचरे और कचरे से घिरे होने के कारण अनुपयोगी हो चुके इस तालाब के शिव घाट, महिला घाट और कुटी घाट को ग्रामीणों ने अपने अथक परिश्रम से मात्र तीन घंटे में पूरी तरह स्वच्छ कर दिया। श्रमदान की इस गूँज में

समाज के हर वर्ग की सहभागिता रही, जिसमें स्थानीय व्यापारियों, शिक्षकों, खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। सफाई के इस संकल्प को विस्तार देते हुए संस्था और ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि तालाब के सभी घाटों की नियमित सफाई की जाएगी।

भगवती माता मंदिर पर शतचंडी महायज्ञ प्रारंभ



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अति प्राचीन भगवती माता मंदिर बड़नगर में पंच कुंडात्मक शतचंडी महायज्ञ का नो दिवसीय आयोजन चल रहा है श्री यज्ञाआचार्य कपिल पंडित जी के सानिध्य में 10 जोड़े महायज्ञ में प्रतिदिनआहुतियां दे रहे हैं पुजारी जितेंद्र भारती ने बताया कि भगवती माता पर 22 मार्च को भजन संध्या एवं में 23 मार्च को विशाल दंगल का आयोजन हो रहा है और 24 मार्च से 26 मार्च तक राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भी हो रहा है शत चंडी महायज्ञ का समापन रामनवमी 27 मार्च को एक विशाल भंडारे के साथ होगा भगवती माता भक्त मंडल ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में माता के दर्शन एवं कार्यक्रम में लाभ लेने की अपील की है जानकारी भक्त मंडल के सदस्य देवपुरी गोस्वामी ने दी।

पहाड़ों से लाई हिंगलाज माता गरबो से आराधना



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी में चैत्र नवरात्रि पर महिलाओं द्वारा मधुर भजनों और गरबो के साथ माता की आराधना की जा रही है पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि यह मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना है हिंगलाज माता का प्रमुख स्थान पाकिस्तान के बलूचिस्तान की दक्षिणी पहाड़ियों में स्थित है जिसे आज भी हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक माना जाता है। इस स्थान को नानी का हज भी कहा जाता है। उन्होंने बताया की पुराने समय

में गोस्वामी बंधु वहां तीर्थ यात्रा के लिए जाया करते थे और पूर्वजों द्वारा हिंगलाज माता की प्रतिमा वहां से लाकर बड़नगर में स्थापित की गई। यहां नवरात्रि में प्रतिदिन भक्ति और मधुर भजनों से माता की आराधना होती है। नव वर्ष में सुख,, शांति,, के लिए महा अष्टमी को हवन होगा । वहीं नवमी को कन्या भोज के साथ नवरात्रि महोत्सव का समापन होगा। नवरात्रि में माता की आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

त्यौहारों की सम सामयिक रचनाओं ने समों बांधा



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कविता दिवस पर नगर के आर्य समाज मंदिर सभागार में गुडी पडवा , गणगौर तीज जैसे समसाामयिक विषयों पर मध्य प्रदेश लेखक संघ बडनगर ने वर्ष की चतुर्थ गौरी का आयोजन किया । अध्यक्षता सुरेश माहेश्वरी शिवम् ने की। गणगौर तीज होने से अतिथि मातृ शक्तियों श्रीमती रेखा राठौड़, राधा परमार, सुनिता भाटी रही । अतिथि स्वगत, दीप प्रज्वलन पश्चात मां शारदा की वन्दना राधा परमार ने प्रस्तुत की। अध्यक्ष एवम अतिथियों ने सभी पवों के महत्व को रेखांकित करते हुए संदर्भित काव्य पाठ किया। काव्य गोष्ठी में नवीन त्रिवेदी मुखिया, प्रमोद पंचोली, निलेश ओरा, सनत जैन, अजय पंड्या सजग, सुरेश उवाल, हीरालाल सोनारतीया, विनोद मकवाना, शैलेंद्रसिंह सोम ने हास्य, वीर, श्रंगार, आदि विषयों पर रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। आर्य समाज के शिवनारायण गेहलोत, ममाणकलाल राठौड़, बलराम उपाध्याय, हितेश सोनी आदि की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का काव्यात्मक संचालन मंदू माहेश्वरी ने किया। आभार नन्दकिशोर समीर ने माना।

नगर में खुशनुमा माहौल देखने को मिला मुस्लिम समाज के वरिष्ठ ने सभी को ईद की मुबारकबाद और शुभकामनाएं दी



उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अल्लाह (ईश्वर) से दुआ है कि हमारे देश और दुनिया में अमन,शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे इस अवसर पर थाना प्रभारी संतोष चौहान भी समाज जनों के साथ अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे।

स्वतंत्र प्रेस क्लब बटनावर की नई कार्यकारिणी घोषित, पत्रकार हितों को मिलेगी नई दिशा



बटनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्र प्रेस क्लब बटनावर के अध्यक्ष मनीष शर्मा एवं सचिव विनय पाटीदार द्वारा वरिष्ठ पदाधिकारियों की सहमति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर दायित्व सौंप गए। संगठन के मुख्य संरक्षक के रूप में धर्मेन्द्र अग्निहोत्री का मार्गदर्शन रहेगा वरिष्ठ सरक्षक के रूप में दिलीप सिंह चौहान,

चंद्रभान सिंह सोलंकी एवं मंहेश पाटीदार, पोप सिंह राठौर का विशेष सहयोग संगठन को प्राप्त होगा।

नवगठित कार्यकारिणी में प्रवीण चावला उपाध्यक्ष, गोपाल पाटीदार सह सचिव, राकेश सिंह चौहान कोषाध्यक्ष, सचित बाहैती मीडिया प्रभारी एवं शिवशंकर रिगनोदिया को सह मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

कार्यकारिणी सदस्यों में डॉ. गोपाल सिंह ठाकुर एवं दिलीप नागोरिया को शामिल किया गया है। इसके साथ वहीं प्रदीप पंवार को प्रेस फोटोग्राफर का दायित्व सौंपा गया। सदस्य के रूप में डॉ. राजेश चौहान, आशिष परमार, मुकेश राठौर, निलेश पाटीदार, स्वदेश सिंह

पंवार, मोहित राठौड एवं राजू गजबिए को जिम्मेदारी दी गई है।

अध्यक्ष मनीष शर्मा एवं सचिव विनय पाटीदार ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन पत्रकारों के हितों की रक्षा, निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए सतत कार्य करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी पदाधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करते हुए प्रेस क्लब की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। नवीन कार्यकारिणी के गठन से पत्रकारों में उत्साह का माहौल है तथा संगठन को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

सांसद श्री कुशवाह ने किया सचिन तेंदुलकर मार्ग उन्नयनीकरण कार्य का भूमिपूजन

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर शहर में बड़े-बड़े विकास कार्य मूर्तरूप ले रहे हैं। विकास के इस क्रम को धमने नहीं दिया जायेगा। यह बात सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कही। श्री कुशवाह सचिन तेंदुलकर मार्ग के उन्नयनीकरण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। रविवार को आयोजित हुए इस भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर व उप सभापति श्री गिरार्ज कंधाना, पार्षद श्री केदार सिंह, पूर्व पार्षद श्री मेहाबल सिंह सहित



अन्य जनप्रतिनिधीगण मंचासीन थे। सांसद श्री कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर पूर्व विधानसभा सहित ग्वालियर शहर में विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नये आयाम लिखे जा रहे हैं। इसी कड़ी में सचिन तेंदुलकर मार्ग का उन्नयन कर इसे एक बेहतर

और गुणवत्ता युक्त सड़क के रूप में तैयार किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण सड़क ग्रामीण और शहर को जोड़ती है। इससे बड़ी आबादी को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही यह सड़क यातायात व्यवस्था को सुचारू करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। श्री कुशवाह ने सड़क निर्माण के भूमिपूजन पर सभी क्षेत्रवासियों को शुभकामनायें दीं और क्षेत्र के विकास कार्यों में सहयोग करने की अपील भी की।

आंगनवाड़ी में मधुमक्खी हमले में मृत कंचन बाई के परिवार को इंदौर के समाजसेवी ने 3 लाख रुपए दिए

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद में हुई एक हृदयस्पर्शी घटना ने पूरे जिले और देश को झकझोर दिया। 45 वर्षीय आंगनवाड़ी रसोइया कंचन बाई मेघवाल ने अपने साहस और निस्वार्थ भाव से करीब 20 स्कूली बच्चों की जान बचाई, लेकिन इस बहादुरी के दौरान उन्होंने अपनी जान गंवा दी।



घटना उस समय हुई जब बच्चों को खेलकूद और स्कूल कार्यक्रम के दौरान तिरपाल के नीचे सुरक्षित किया जा रहा था। अचानक मधुमक्खियों का झुंड उन पर हमला कर दिया। बच्चों को बचाने के लिए कंचन बाई ने खुद को जोखिम में डालते हुए उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखा, लेकिन इस हमले में उनकी मौत हो गई। कंचन बाई अपने परिवार की

देश में हुई, और समाज के लोग उनके साहस को सराहने लगे।

इसी बीच, इंदौर के समाजसेवी और ऑर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमलेश सोजतिया ने परिवार की कठिन आर्थिक स्थिति को जानकर मदद देने का निर्णय लिया। उनके निर्देश पर, जिनेन्द्र सुराना और संजय शर्मा ने मृतका के गांव जाकर विस्तृत सर्वेक्षण किया। उन्होंने पाया कि कंचन बाई के दो पुत्रियों का विवाह हो चुका है, पति लकवाग्रस्त हैं, बेटा बेरोजगार है और परिवार अनुसूचित जाति से संबंधित है।

आर्थिक सहायता का वितरण - समाजसेवी और उनकी संस्था ने कंचन बाई के परिवार को अतिरिक्त आर्थिक मदद देने का निर्णय लिया। इसके तहत-

भाजपा संगठन में प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है- पंवार

बटनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पं. दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत इन दिनों मंडलों के प्रशिक्षण वर्ग हो रहे हैं। बिड़वाल व कानवन मण्डल का प्रशिक्षण वर्ग रविवार को शुरू हुए। दोनों मंडलों के सत्र अलग अलग स्थानों पर आयोजित हुए।

बिड़वाल मण्डल के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आरंभ हुआ। जिसमें पहले दिन सत्र का उद्घाटन संभागीय प्रशिक्षण सहप्रभारी अनंत पंवार के मुख्य आतिथ्य में हुआ। भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार व सुनील मोदी, प्रशिक्षण वर्ग के जिला सह संयोजक अश्वय शर्मा, वरिष्ठ नेता रामेश्वर परमार, जिला पंचायत सदस्य विक्रम पटेल, रतनलाल पाटीदार, पवन डोड, गिरधारीलाल मंडलौड़, दिनेश पटेल, बाबूलाल गिरवाल, अमृतलाल पाटीदार, शंभुसिंह राठौर पांदा व भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि अतिथि रूप में मंचासीन थे। अध्यक्षता बिड़वाल मंडल अध्यक्ष संतोष



बोलकिया ने की। सर्व प्रथम भारत माता व पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी से चित्रों पर दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर सत्र आरंभ किया गया।

इस मौके पर मुख्य वक्ता अनंत पंवार ने कार्य पद्धति विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की असली शक्ति कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने समर्पण, अनुशासन और सक्रियता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन

में प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है। जिसमें लगातार सीखने, आत्म मंथन करने व जन सेवा हेतु सदैव समर्पित रहने के साथ ही सैद्धांतिक और व्यावहारिक विषयों पर समय-समय पर अपेक्षित कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण होता है। हमारे संगठन में पद का अर्थ केवल सेवा भाव है। समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण वर्ग निरंतर होते रहते हैं।

द्वितीय सत्र में भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने वैचारिक अधिष्ठान विषय पर उद्बोधन दिया। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानवाद, राष्ट्रवाद और सेवा के सिद्धांतों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित और समाजसेवा के संकल्प के साथ संगठन को मजबूत बनाने में निरंतर

सक्रिय है। भाजपा की सफलता का मूल मंत्र, प्रशिक्षण और विचारधारा पर अडिग प्रतिबद्धता है। तीसरे सत्र में संभाग प्रभारी दिलीप पाटीदिया ने बूथ प्रबंधन एवं मन की बात विषय को लेकर संबोधित किया। सत्र का संचालन प्रकाश पाटीदार व विजय पाटीदार ने किया।

सोमवार को दूसरे दिन समापन सत्र होगा। सत्र सुबह 6 बजे से शुरू होगा। सुबह 10 बजे चौथे सत्र में केंद्र सरकार की योजनाओं को लेकर जिला उपाध्यक्ष राखी राय, पांचवे सत्र कार्य विस्तार की हमारी दृष्टि विषय पर भाजपा के प्रदेश सहमीडिया प्रभारी दीपक टिन्नु जैन, छठवें सत्र में सोशल मीडिया व एआई, नमो एप को लेकर सोन्ू रघुवंशी, सातवे सत्र भाजपा का इतिहास एवं विकास को लेकर जिला महामंत्री राकेश पटेल व अंतिम आवे सत्र में वक्ता पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव रहेंगे। जो प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को लेकर संबोधित करेंगे। सोमवार को दोनों मंडलों के सत्र का समापन होगा।

नयागांव परिवहन चेकपोस्ट पर तालिबानी राज- इंजी. नवीन कुमार अग्रवाल

जिले के विधायक, सांसद एवं प्रशासनिक अधिकारी मूकदर्शक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षों पूर्व अफगानिस्तान में सत्ता संघर्ष के दौरान तालिबानी राज कुख्यात हुआ करता था और उसकी मिमाल बर्बरता वाले शासन से की जाती थी, आज तालिबानी राज की परिकल्पना को साक्षात देखा हो तो नीमच जिला मुख्यालय से मात्र 18 किलोमीटर दूर स्थित मध्यप्रदेश और राजस्थान की सीमा पर स्थित परिवहन चेकपोस्ट पर देखी जा सकती है जहां तालिबानी राज से भी भयानक स्थिति दिखाई देती है, राष्ट्रवादी और रामराज्य की दुहाई देने वाली भाजपा सरकार के राज में वाहन चालकों के साथ मध्यप्रदेश में नयागांव परिवहन चेकपोस्ट पर बेखौफ अवैध वसूली रहे रही है, भाजपा के विधायक, सांसद और प्रशासनिक अधिकारी मूकदर्शक होकर तालिबानी राज का न जाने क्यों विरोध नहीं कर पा रहे हैं और वाहन चालक अपने आप को असहाय,भयभीत महसूस करते हैं। उच्च राजनैतिक एवं प्रशासनिक संरक्षण के चलते चेकपोस्ट पर परिवहन विभाग के द्वारा पोषित-संरक्षित गुण्डातत्वों द्वारा लुटा जा रहा है।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजी. नवीन कुमार अग्रवाल ने जानकारी में बताया कि हम 2013 से परिवहन विभाग की अवैध वसूली के खिलाफ संघर्षरत थे और हमारे 8 साथी 2 झुट्टे मुकदमों में जेल की सलाखों में भी गए और 10 साल की लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद हम बरी हुए और हमारे संघर्ष के कारण मध्यप्रदेश के सभी 46 चेकपोस्ट भी बंद कर दिए थे और उनके स्थान पर चेकपॉइंट बनाये गए थे जिसके कारण नयागांव चेकपोस्ट पर भी तत्कालीन कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने मौके पर जाकर खाई खुदवा कर चेकपोस्ट बंद करवा दिए थे, लेकिन आज वर्तमान में उच्च राजनैतिक एवं प्रशासनिक संरक्षण के चलते बिना कोई आदेश के पुनः खाई को पाटकर एक एक लाइन दोनों ओर वापस चालू कर दी गई और वाहन चालकों से पूर्व में तैनात प्राइवेट



गुण्डातत्वों की असवैधानिक तैनाती में अवैध वसूली पुनः होने लगी है। अगर कोई वाहन चालक इस अवैध वसूली का विरोध करता है तो उसकी गाड़ी का ऑनलाइन चालान बना दिया जाता है।

क्या जिला प्रशासन को यह नहीं दिखता कि नयागांव परिवहन चेकपोस्ट पर लगभग 100 असामाजिक गुंडातत्व वहां क्यों और क्या कर रहे हैं और वो किस अधिकार से वाहन चालकों से अवैध वसूली की लूट कर रहे हैं। क्या भाजपा के राज में सब कुछ पैसा ही है।

अग्रवाल ने कहा कि इस सम्बन्ध में मैंने माननीय कलेक्टर महोदय को भी अवगत करा दिया था , लेकिन आज दिनांक तक भी अवैध वसूली पूर्व की भांति निरंतर जारी है जिससे स्वतः प्रमाणित होता है कि प्रशासनिक अधिकारी भी इस अवैध वसूली के खिलाफ कुछ भी कार्यवाही करने में असमर्थ हैं।

एक ओर जब कोई किरायेदार किसी घर में आता है तो उसको पुलिस कार्रवाही से गुजरना पड़ता है, जबकि एक साथ 100 लठैत चेकपोस्ट पर अवैध रूप से तैनात है तो इन पर पुलिस की कार्रवाही क्यों नहीं होती? क्या नयागांव परिवहन चेकपोस्ट भारत का हिस्सा नहीं है जहां पर नियम कानून सविधान लागू नहीं होता? इस सम्बन्ध में मैंने मुख्यमंत्री , प्रमुख सचिव ,प्रधानमंत्री ,केंद्रीय परिवहन मंत्री को भी ऑनलाइन पत्र प्रेषित कर अवगत करवा दिया है।

अग्रवाल ने कहा कि एक ओर तो भाजपा राष्ट्रवादी और रामराज्य की बात करती है दूसरी ओर उसका असली चाल, चरित्र और चेहरा नयागांव परिवहन चेक पोस्ट के माध्यम से देखा जा सकता है,यह दोगलापन किस किस की राष्ट्रीयता भाजपा के रामराज्य में विद्यमान है। अगर समय रहते नयागांव परिवहन चेकपोस्ट पर वाहन चालकों के साथ लठैतों के दम पर हो रही अवैध वसूली नहीं रुकी तो आम आदमी पार्टी पूर्व की भांति विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर पुनः आंदोलन करेंगी।

नीमच केंट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, महाराणा बंगला चोरी कांड का खुलासा

लाखों का मशरूका बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चोरी की वारदातों पर लगातार कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नीमच केंट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। महाराणा बंगला क्षेत्र स्थित एक दुकान में हुई लाखों की चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मशरूका एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसौदिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक नीलेश अवस्थी के नेतृत्व में की गई।

घटना का पूरा विवरण- प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी मोहम्मद रफीक पिता कामरुद्दीन कुरेशी, निवासी राजीव नगर नीमच, महाराणा बंगला स्थित जारोली कॉम्प्लेक्स में -आर.के. ट्रेडर्स- नाम से एल्युमिनियम



सेक्शन की दुकान संचालित करते हैं। 9 मार्च 2026 को शाम करीब 5 बजे वे रोजा होने के कारण दुकान बंद कर घर चले गए थे।

अगले दिन 10 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे जब वे दुकान पर पहुंचे तो देखा कि शटर का एक ताला टूटा हुआ था और शटर को उठाकर अंदर प्रवेश किया गया था। दुकान के अंदर जाकर देखने पर करीब 750 किलोग्राम एल्युमिनियम सेक्शन (प्रत्येक 15

और खुलासा- मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए मुखबिर् तंत्र सक्रिय किया। इसी दौरान 18 मार्च 2026 को आरोपी साहिल पिता शहजाद (उम्र 21 वर्ष), निवासी भगवानपुरा चौराहा, नीमच सिटी को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी नासिर उर्फ शाहरेख पिता आरिफ खान, निवासी स्क्रीम नंबर 09 नीमच के साथ मिलकर चोरी

की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपी को वैधानिक कार्यवाही के बाद 21 मार्च 2026 को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

जप्त मशरूका

लगभग 750 किलोग्राम एल्युमिनियम सेक्शन (अनुमार्गित कीमत 5 लाख रुपये) घटना में प्रयुक्त टीवीएस मोटरसाइकिल

एक आरोपी अभी भी फरार

मामले में दूसरा आरोपी नासिर उर्फ शाहरेख फरार है, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा लगातार की जा रही है।

इस पूरे मामले के खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक नीलेश अवस्थी, उपनिरीक्षक शिवलाल कलमी एवं थाना नीमच केंट की टीम की सराहनीय भूमिका रही।

यह कार्रवाई न सिर्फ चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि अपराधियों के लिए कड़ा संदेश भी है कि कानून से बच पाना आसान नहीं।

जैविक हट बना रविवार की दिन चर्या का हिस्सा.

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जैविक खेती कर रहे किसानों को उनके उत्पादों को उचित मूल्य दिलाने कृषि उपज मंडी जबलपुर में प्रत्येक रविवार को लगाये जा रहे जैविक हट की लोकप्रियता सप्ताह दर सप्ताह बढ़ती जा रही है। जैविक हट कई लोगों की रविवार की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। जैविक उत्पादों के मुरीद बड़ी संख्या में जैविक हट पहुंच रहे हैं और पसंद के जैविक उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं। खरीदारों की बढ़ती

संख्या के साथ ही जैविक खेती कर रहे किसानों में भी उनके उत्पादों को मिल रही अच्छी कीमत को लेकर उत्साह नजर आने लगा है। जिले भर के किसान अपने जैविक उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय के लिये जैविक हट में शामिल हो रहे हैं। इस रविवार को भी जिले के कई किसान जैविक हट के सहभागिता बने और अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इन उत्पादों में सब्जियां, फल-फूल, मसाले, अनाज, दालें, गुड़ एवं अन्य उत्पाद शामिल थे। जैविक

हट में संयुक्त संचालक के एस नेताम सहित कृषि अधिकारियों ने किसानों को जैविक खेती की उन्नत तकनीकों, जैविक खाद के उपयोग तथा जैविक प्रमणीकरण की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर संयुक्त संचालक कृषि ने किसानों को अधिक से अधिक क्षेत्र में जैविक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जैविक खेती को अपनाने से जहाँ मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होती है।

शरीर के कुशल संचालन के लिए बुद्धि का जाग्रूत रहना अनिवार्य है: मंत्री श्री सारंग

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने आज संस्कारधानी जबलपुर के प्रवास पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महाकौशल प्रांत द्वारा आयोजित 32वें विराट युवक-युवती परिचय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विजय नगर स्थित वर्मा बारात घर में आयोजित इस गरिमामयी समारोह का शुभारंभ मंत्री श्री सारंग ने भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सारंग ने कायस्थ समाज की मर्यादा पर प्रकाश डाला और अपने पूर्य पिता स्वर्गीय श्री कैलाश सारंग के विचारों को साझा करते हुए कहा कि यदि संपूर्ण हिंदू समाज को एक मानव शरीर के रूप में परिकल्पित किया जाए।

N

A

M

E

C

H

A

N

G

E

I FIZZA BAI have declare that earlier, I was known as FIZZA BAI ABDUL RASOOL KHUSTER WALA Now I have changed my name as FIZZA BAI. Address- 106. Dada Bhai Noroji Marg Khara Kuwa Ujjain M.P.

सरकारी स्कूलों में अब एआई रोबोट पढ़ाएंगे, बच्चों की पढ़ाई होगी आसान

कक्षा 6 से 8 तक शुरुआत, कठिन विषयों को आसान भाषा में समझाएंगे रोबोट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूलों में शिक्षा के स्तर को आधुनिक बनाने के लिए एक नई पहल शुरू होने जा रही है। अब विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित रोबोट की मदद ली जाएगी। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने चयनित स्कूलों में व्यवस्था लागू करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, शुरुआत में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए रोबोटिक

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में सर्वाधिक समय तक सेवा का कीर्तिमान स्थापित किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को आज भारत में सर्वाधिक समय तक शासन प्रमुख के रूप में सेवा का कीर्तिमान स्थापित करने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के नागरिक प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति निरंतर स्नेह, विश्वास और समर्थन की भावना को अभिव्यक्त कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री श्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के शासन करने के रिकार्ड को पीछे छोड़ा है। उनके सार्वजनिक जीवन के 8931 दिन गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में दर्शाते हैं कि उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर कार्य करते हुए अपनी भूमिका को यादगार बनाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के ध्येय के साथ गरीब कल्याण से लेकर वैश्विक मंच पर हर क्षेत्र में देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने देश को विकास और सुशासन की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि मां भगवती प्रधानमंत्री श्री मोदी को ऊर्जावान बनाए रखें।

रुपए नहीं देने पर कुल्हाड़ी से किया हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंडे का ठेला लगाने वाले पिता पुत्र से बदमाश द्वारा रुपए मांगे गए। मना करने पर बदमाश ने पिता पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम अंबोदिया स्थित देसी शराब की दुकान के पास कमल पिता जीवनलाल भैरवे 43 अंडे का ठेला लगाता है। जहां उसके बेटे चंदन और मोहित भी कामकाज में पिता का सहयोग करते हैं। शनिवार रात क्षेत्र का ही रहने वाला बदमाश जितेंद्र बाथम उनकी दुकान पर पहुंचा और ठेला लगाने के एवज में रूपों की मांग करने लगा। दुकान पर पुत्र चंदन और मोहित थे जिन्होंने रुपए देने से मना कर दिया बदमाश ने उनके ऊपर तलवार तान दी। जानकारी लगते ही पिता कमल दुकान पर पहुंचा और बदमाश का विरोध करने लगा बदमाश चला गया और कुछ देर बाद कुल्हाड़ी लेकर लौटा उसने कमल पर हमला कर दिया। घायल कमल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस द्वारा मामले में प्रकरण दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू कर दी गई है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पिपलोदा सागौती माता में कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम पिपलौदा सागौती माता में सरपंच श्री तेजपाल सिंह जी डोडिया, उपसरपंच श्री रमेश जी कपसिया, पंचायण, मंत्री महोदय श्री गोपाल जी धनौरा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्री मति अनुराधा चतुर्वेदी ,एवं ग्रामवासियों और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखंड खाचरोद के सहायक यंत्री श्री मनोहर परमार , उपयंत्री श्री धर्मेन्द्र हारोड़ एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में जल अर्पण दिवस कार्यक्रम के समापन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नल जल योजना को सुचारु रूप से चलाने, जल कर वसूली, साफ एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, स्रञ्जय के माध्यम से जल परीक्षण करने हेतु चर्चा की गई।

राज्य की जीएसडीपी पंहुचेगी 18.48 लाख करोड़ रुपये

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अथक प्रयासों से राज्य की अर्थव्यवस्था 2026-27 में 18.48 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच जायेगी। राज्य के बजट प्रावधानों को देखते हुए उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। वर्ष 2025-26 में जीएसडीपी 16.48 लाख करोड़ रुपये रही जो अब बढ़ रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपये के बजट में विकास, सामाजिक सुरक्षा और अधोसंरचना विस्तार को केंद्र में रखा है। सरकार के प्रयासों से स्पष्ट है कि वित्तीय वर्ष के अंत में 44 करोड़ रुपये का राजस्व आधिक्य रहेगा। बजट में अधोसंरचना और विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए 80 हजार 266 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित किया गया है। यह राज्य के जीएसडीपी का 4.80 प्रतिशत है। इससे प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों, शहरी अधोसंरचना और ग्रामीण विकास परियोजनाओं को नई गति मिलेगी। विकास योजनाओं को गति देने के लिए कई प्रमुख विभागों के आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। ग्रामीण विकास विभाग के बजट में 37 प्रतिशत, नगरीय विकास एवं आवास विभाग में 16 प्रतिशत, महिला एवं बाल विकास विभाग में 26 प्रतिशत, राजस्व विभाग में 43 प्रतिशत और स्कूल शिक्षा विभाग में 11 प्रतिशत की वृद्धि होगी। आगामी वर्ष में ग्रामीण आधारभूत संरचना, शहरी सुविधाओं और सामाजिक क्षेत्र को मजबूत बनाया जाएगा। कृषि और किसानों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 88 हजार 910 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।